हिन्दी
પેપર : A B C D

S.S.C. બોર્ડ પરીક્ષાની પૂર્વ તૈયારી માટે
PRACTICE PAPER ANSWER KEY

કુલ ગુણ : 80
સમય : 3 કલાક
વર્ષ : 2021-22

મિત્રો, 'Practise make man perfect' ઉક્તિ મુજબ કોઈપણ ક્ષેત્રમાં કૌશલ્યને આત્મસાત્ કરવા અથવા તેને સુદ્રઢ કરવા **Practise (મહાવરો) અનિવાર્ય છે.** કેમ કે આજનાં સ્પર્ધાત્મક યુગમાં ફક્ત પરીક્ષામાં ઉત્તીર્ણ થવું જરૂરી નથી; પરંતુ પોતાના મનપસંદ ક્ષેત્રમાં કારકિર્દી બનાવવા માટે યોગ્ય મેરીટ બનાવવું પણ જરૂરી છે. તે માટે જરૂરી છે સાચી દિશામાં કરવામાં આવતી મહેનત અને સાથે-સાથે યોગ્ય સમયે મળી રહેતો મહાવરો એટલે...

મહેનત + યોગ્ય દિશા + મહાવરો = જ્વલંત સફળતા

અલંકાર પબ્લિકેશન આ વાતને સુપેરે જાણી વિદ્યાર્થીની મહેનતને યોગ્ય માર્ગદર્શન અને ભરપૂર મહાવરો મળી રહે તે માટે 4 પ્રશ્નપત્રનો સેટ + નમૂનાનું પ્રશ્નપત્ર **આન્સર-કી સાથે આપની સમક્ષ મૂકતાં** હર્ષની લાગણી અનુભવે છે.

વિશેષતાઓ તથા પેપર લખવા માટેની કાળજી :

- વિષયના તજજ્ઞો દ્વારા પ્રશ્નપત્રોની પ્રેક્ટિસથી આગામી બોર્ડની પરીક્ષામાં પૂછાઈ શકે તેવું મોટાભાગનું કન્ટેન આવરી લેવામાં આવ્યું છે.
- જવાબ માટે પ્રશ્નપત્રની અંદર યોગ્ય જગ્યા મૂકવામાં આવી છે જેથી વિદ્યાર્થી દરેક પ્રશ્નનો યોગ્ય જવાબ બોર્ડ પ્રમાણે આપી શકે.
- **પ્રશ્નપત્રની સાથે આન્સર-કી પણ આપવામાં આવી છે; જેથી વિદ્યાર્થી પોતે જ સ્વમૂલ્યાંકન કરી શકે.**
- **આન્સર-કીમાં પણ દરેક વિભાગનું મૂલ્યાંકન SSC બોર્ડની ગુણપ્રદાન યોજના દ્વારા આપવામાં આવેલા નિર્દેશ અનુસાર કરવામાં આવ્યું છે.**
- બોર્ડ દ્વારા પ્રસિદ્ધ નવી બ્લ્યૂ-પ્રિન્ટ તથા નવી પેપર પેટર્ન આધારિત બધા પેપર્સ છે. ચારેય પ્રશ્નપત્રોમાં ખૂબ જ અગત્યના પ્રશ્નનો સમાવેશ કરવામાં આવેલ છે. બધા જ પેપર્સમાં અલગ-અલગ પ્રશ્નો છે જેથી પૂરતો મહાવરો મળી શકે.
- સમગ્ર પેપર લખવાનો સમય 3 કલાક છે, પરંતુ 2:45 કલાકમાં પેપર લખાય તેવો પ્રયત્ન કરવો જેથી છેલ્લી 15 મિનિટમાં લખાયેલો પેપર બરાબર તપાસી શકાય. જેમકે ભૂલો તો નથી તથા શબ્દો કે વાક્યોની નીચે under-line પણ કરી શકાય...

➔ બોર્ડની પેપર-પેટર્ન અનુલક્ષી જવાબો તૈયાર કરેલ છે.

➔ **ખાસ નોંધ :** સૌ પ્રથમ પેપર જાતે લખ્યા બાદ Answer Key સાથે તપાસવો.

નોંધ : આ પરિરૂપ વિદ્યાર્થીઓ, શિક્ષકો, પ્રશિક્ષકો, મોડરેટર્સના માર્ગદર્શન માટે છે. જે તે વિષયોના પ્રાશ્નિક તેમજ મોડરેટર્સ માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણના બૃહદ હાર્દ/ઉદ્દેશને સુસંગત રહી પ્રશ્નપત્રની સંરચના બાબતે ફેરફાર કરવાની છૂટ રહેશે.

હેતુઓ પ્રમાણે ગુણભાર :

હેતુઓ	જ્ઞાન(K)	સમજ(U)	ઉપયોજન (A)	ઉચ્ચ વૈચારિક કૌશલ્ય: સંયોજન / વિશ્લેષણ	ઉચ્ચ વૈચારિક કૌશલ્ય: અનુમાન / મૂલ્યાંકન	કુલ
ગુણ	36	20	13	04	17	80
ટકા	33	25	16	05	21	100

प्रश्न प्रकार अनुसार भारांक :

ક્રમ	પ્રશ્નનો પ્રકાર	પ્રશ્નનોની સંખ્યા	કુલગુણ
1.	हेतुलक्षी प्रश्न (O)	24	24
2.	टूंक जवाबी प्रश्न (VSA)	20	20
3.	टूंक जवाबी प्रश्न (SA-I)	05	10
4.	टूंक जवाबी प्रश्न (SA-II)	03	09
5.	दीर्घ प्रश्न (LA)	02	10
6.	निबंधात्मक प्रश्न (EA)	01	07
	કુલ	**55**	**80**

विभाग अनुसार भारांक :

ક્રમ	વિભાગ	વિભાગ દીઠ ગુણભાર
1	गद्य विभाग	18
2	पद्य विभाग	18
3	व्याकरण	18
4	लेखन	26

Very unique to learn.....
Alankar® Publication
H/75-A, Akshardeep Complex, Shastrinagar, Bhavnagar 364002
9726437575, 9624829482 alankarpublication@yahoo.com www.alankarpublication.com

No part of this publication can be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form or by any means-electronic, mechanical, phototyping, recording or otherwise without the prior written permission of the publishers. All right of export of this book is reserved with the publisher. Any person who does any unauthorised act in relation to this publication will be liabel to legal prosecution and civil claimes for damages.

विभाग - A : गद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए ।[03]**

(1) **किसने अपने हिस्से की पूडियाँ काकी के लिए बचाकर रखी थीं ?**

(A) रूपा (B) बुद्धिराम

(C) लाडली (D) श्यामा

(2) **भगवान की मूर्ति स्थापना करने के बाद....**

(A) उनके कहे अनुसार चलना चाहिए ।

(B) मूर्ति की पूजा करनी चाहिए ।

(C) प्रचार-प्रसार करना चाहिए ।

(D) पुजारी के आदेश का पालन करना चाहिए ।

(3) **हम अपनी परंपरा क्यों भूल गए है ?**

(A) अज्ञान के कारण

(B) लंबी दासता के कारण

(C) आलस्य के कारण

(D) निरक्षरता के कारण

- **सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [03]**

(4) कालिदास हरिणशावक के अंगो पर **दवाई** का लेप लगाना चाहते हैं । (दवाई, तेल)

(5) मालती की आवाज़ सुनकर बिन्दु की चाल में **तेजी आ गई.** (रुकावट आ गई, तेजी आ गई)

(6) **तृष्णा** परंपरागत डाकूरानी है । (भूख, तृष्णा)

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए । [03]**

(7) **सदानंद का मन प्रसन्नता से नाच उठा, क्योंकि....**

(A) उन्हे अपने पैसे वापस मिल गए ।

(B) पंडित शादीराम की उदारता और सज्जनता के कारण

(C) मारवाडी सेठ ने अलबम खरीद लिया था ।

वाक्य : **सदानंद का मन प्रसन्नता से नाच उठा, क्योंकि, मारवाडी सेठ ने अलबम खरीद लिया था ।**

(8) **रामप्रसाद बिस्मिल इस बात से दुःखी थे कि...**

(A) अपनी माँ की सेवा का अवसर नहीं मिलेगा ।

(B) माँ का प्यार नहीं मिला ।

(C) अपनी माँ से दूर रहना पड़ता था ।

वाक्य : **रामप्रसाद बिस्मिल इस बात से दुःखी थे कि, अपनी माँ से दूर रहना पड़ता था ।**

(9) **जो लम्बा भाषण कर सकता है...**

(A) वह अच्छा लेखक बन सकता है ।

(B) वह नेता बन सकता है ।

(C) उसके लिए जवाब देना बड़ा आसान होता है ।

वाक्य : **जो लम्बा भाषण कर सकता है... उसके लिए जवाब देना बड़ा आसान होता है ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(10) **सुधामूर्ति महिलाओं की सफलता पर क्या कह उठी?**

उत्तर : सुधामूर्ति महिलाओं की सफलता पर कह उठी कि उनका मार्ग कठिन अवश्य है, किन्तु उस पर उन्हे चलना जरूरी है ।

(11) **दुनिया में सबसे बड़ा बुद्धिमान कौन है ?**

उत्तर : जो सबसे ज्यादा खुश रहता है, वह दुनिया में सबसे बड़ा बुद्धिमान है ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए । [02]**

(12) **गाँव के नवयुवक पंचायत के पदाधिकारियों से किस बात पर नाराज थे ?**

उत्तर : गाँव के युवकों में पंचायत में हुए घोटालो से असंतोष था । खाद के वितरण में अनियमितता, गरीबों के लिए आए राशन की कालाबाजारी, पंचायत का घाटे में चलना आदि घोटालें का जवाब गाँव के नवयुवक पंचायत के पदाधिकारियों से माँगते थे, पर पदाधिकारी जवाब देने से बचते थे । इसलिए गाँव के नवयुवक पंचायत के पदाधिकारियों से नाराज थे ।

(अथवा)

(12) **सुधा ने स्त्री-पुरुष भेदभाव के लिए क्या निश्चय किया ?**

उत्तर : सुधा ने विज्ञापन में छोटे-छोटे अक्षरों में 'महिला उम्मीदवार आवेदन न भेजें' वाक्य पढ़ा, तो यह बात उन्हें पची नहीं । उन्होंने निश्चय किया कि वे टेल्को कंपनी के सर्वोच्च अधिकारी को सूचित करेगी कि उनकी कंपनी महिलाओं की इस प्रकार अन्याय कर रही है ।

- **निम्नलिखित प्रश्न का चार-पांच वाक्य में उत्तर लिखिए । [03]**

(13) **देश को कैसे नागरिकों की आवश्यकता है ? क्यों?**

उत्तर : **कृति :** एक प्रश्नः चार उत्तर

कर्ता : श्री प्रकाश

साहित्य स्वरुप : लेख

प्रस्तुत पाठ में श्री प्रकाश द्वारा किये गये एक ही प्रश्न का उत्तर चार महानुभावों ने अपने-अपने ढंग से दिये हैं । हमारा देश तभी उन्नति कर सकता है, जब देश का प्रत्येक नागरिक पूर्णतः ईमानदारी, लगन, एवं निष्ठा के साथ अपना छोटे से छोटा कार्य करेगा । या यही चारों महानुभावों के द्वारा दिये गए उत्तरों का निष्कर्ष है । किसी भी देश की उन्नति उसके गुणी, परिश्रमी, निष्ठावान, जिम्मेदार, उदार तथा विवेकशील नागरिकों पर आधारित होती है । हमारे देश को ऐसे सच्चे और ईमानदार नागरिकों की आवश्यकता है । जिसकी कथनी और करनी में अंतर न हो । वे जो काम करे उसे निष्ठापूर्वक संपन्न करें । साथ ही उन्हें दूसरों के प्रति अपनी जिम्मेदारी का भी अहसास होना जरुरी है । प्रत्येक नागरिक को श्रम का महत्त्व समझना चाहिए और यह बात मानकर चलना चाहिए कि संसार में कठिन परिश्रम के बिना कभी किसी को कुछ नहीं मिलता है । संसार में जो भी महान हुए है, वे सब अधिक परिश्रमी रहे हैं । देश को ऐसे अथक परिश्रम करनेवाले नागरिकों की आवश्यकता है ।

इसके अलावा नागरिकों में नवयुवकों को आगे बढ़ाने की उदारता होनी चाहिए । वे लोगों को काम सीखने में मदद करें । लोग एसे हो जो अपने गुण अपनी कला लोगों को देने में संकोच न करें । देश को ऐसे ही कर्मठ और उदार नागरिकों की आवश्यकता है।

(अथवा)

(13) **आदमी का जीवन उनकी अपनी व्यक्तिगत जायदाद क्यों नहीं हैं ?**

उत्तर : कृति : जीने की कला

कर्ता : मौलाना अब्दुल कलाम 'आज़ाद'

साहित्य स्वरुप : निबंध

हमारा जीवन एक शीशाघर है । यहाँ हर चेहरे का प्रतिबिंब एक ही समय में सैंकडों शीशों पर पडता है । अगर एक चेहरे पर भी छाया आ गई तो वह छाया सैंकडों चेहरो पर छा जाती है । हर आदमी पूर्ण संग्रह का अंश है । यहाँ हमारी कोई बात भी सिर्फ हमारी नहीं है, हम जो कुछ अपने लिए करते हैं, उसमें भी दूसरों का भाग होता है । हमारी खुशी भी हमें खुश नहीं कर सकेगी, अगर हमारे चारों तरफ उदास चेहरे जमा हो जाएँ । हम खुद खुश रहकर दूसरों को खुश करते हैं और दूसरों को खुश देखकर खुद खुश होने लगते हैं । इस प्रकार आदमी का जीवन उसकी अपनी व्यक्तिगत जायदाद नहीं है ।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । [02]**

(14) **"धन सुख का जादूगर भी है और शांति का डकैत भी ।।"**

कृति : भीतरी समृद्धि

कर्ता : डॉ. चंद्रकान्त मेहता

साहित्य स्वरुप : निबंध

सुखमय जीवन व्यतीत करने के लिए धन आवश्यक है । धन से कई मुश्किल कार्य आसान हो जाता है । धन से तरह-तरह की सुख-सुविधा की चीजें खरीदी जा सकती है, परंतु धन आने पर मनुष्य की तृष्णा बढ़ती जाती है । अभी तक कोई भी दरजी ऐसा अँगरखा नहीं सिल पाया है, जिसे पहनकर तृष्णासुर मनुष्य चैन की साँस ले सके । तृष्णा मनुष्य की शांति को हर लेती है । तृष्णातुर मनुष्य धन के पीछे पागलों की तरह भागने लगता है । इसलिए डॉ. चंद्रकान्त मेहता कहते है कि "धन सुख का जादूगर भी है और शांति का डकैत भी ।"

(अथवा)

(14) **"हम क्यों ऐसी चीजें खायें जो सबको नहीं मिलती, इसी से तो चोरी की भावना को जन्म मिलता है ? ।।"**

कृति : चोरी

कर्ता : यशपाल जैन

साहित्य स्वरुप : कहानी

हम जो खाते है, वह नौकर को भी मिलना चाहिए, ताकि मानवीय और सौहार्दपूर्ण वातावरण से घर में सुख-शांति और आनंद बना रहे । इस संदेश के साथ एक परिवार की कहानी यशपाल जैनजी ने सुंदर ढंग से प्रस्तुत की है ।

मनुष्य का स्वभाव है कि वह किसी व्यक्ति को किसी वस्तु का इस्तमाल करते हुए देखता है, तो उसे पाने की उसकी भी इच्छा हो जाती है । यदि वह वस्तु उसे उपलब्ध नहीं होती, तो वह चोरी से उसे प्राप्त करने में भी नहीं हिचकता । इस लिए जब तक सब चीजें सबको नहीं मिलती, चोरी बंध नहीं हो सकती । चोरी की भावना न पनपने देने का एक उपाय यह है कि ऐसी चीजों का उपयोग करने से बचना चाहिए, जो सबको उपलब्ध नहीं हो पाती ।

विभाग : B (पद्य विभाग)

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : [03]**

(15) **गोपी गले में क्या पहनना चाहती है ?**

(A) गुंजो की माला (B) सोने की माला
(C) चाँदी की माला (D) मोती की माला

(16) **गीता का गान किसने किया था ।**

(A) वाल्मिकी ने (B) द्रौणाचार्य ने
(C) अर्जुन ने **(D) श्रीकृष्ण ने**

(17) **इन्द्र के अनुसार कहा रहना तोते की मूर्खता थी?**

(A) जंगल में (B) डाली पर
(C) नदी के किनारे **(D) सूखे तरु पर**

- **निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [03]**

(18) जनशक्ति की चेतना द्वारा भारत में **नवचेतना** लानी चाहिए । (नवचेतना, महाक्रान्ति)

(19) शिकारी का बाण **आगबुझा** था । (विषबुझा, आगबुझा)

(20) कवि वीरेन्द्र मिश्रा ने नावों की नगरी **कश्मीर** को कहा है । (गुलमर्ग, कश्मीर)

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए : [02]**

(21) प्रभुजी चंदन है तो भक्त....

(A) दीपक है । (B) पानी है । (C) चकोर है ।

वाक्य : **प्रभुजी चंदन है तो भक्त पानी है ।**

(22) मीरा ने अपने सद्‌गुरु की कृपा से.....

(A) बहुत बड़ा महल पाया ।

(B) रामरतन धन पाया

(C) लोकलाज खोई ।

वाक्य : **मीरा ने अपने सद्‌गुरु की कृपा से रामरतन धन पाया।**

(23) कश्मीर में अमरनाथ जैसी पवित्र गुफा और

(A) शेषनाग जैसा विशाल सरोवर है ।

(B) गुलमर्ग जैसा विशाल सरोवर है ।

(C) शालीमार जैसा विशाल सरोवर है ।

वाक्य : **कश्मीर में अमरनाथ जैसी पवित्र गुफा और शेषनाग जैसा विशाल सरोवर है ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(24) कवि ने नावो की नगरी किसे कहा है ?

उत्तर : कवि वीरेन्द्र मिश्रजी ने नावों की नगरी कश्मीर को कहा है ।

(25) कवि के अनुसार साधु मौन क्यों धारण करते हैं ?

उत्तर : कवि काका हाथरसी के मतानुसार साधु इसलिए मौन धारण करते हैं, ताकि यदि कोई उनसे कोई गूढ प्रश्न करें, तो उसका उत्तर देने से वे बच सकते हैं ॥

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए । [02]**

(26) **हम नवयुग के अग्रदूत कैसे बन सकते हैं ?**

उत्तर : हम लोगों के दिलो से असंतोष की भावना दूर करके उनमें संतोष के भाव पैदा करेंगे । पृथ्वी पर हम लोगों को स्वर्ग जैसी सुविधा प्रदान करेंगे । हम उन्नति के पथ पर आगे बढ़ते हुए लोगों का मार्गदर्शन करके नवयुग के अग्रदूत बन सकते हैं ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्य में लिखिए : [03]

(27) 'हिन्दुस्तान हमारा है ।' स्वरधारा किसकी और कबसे है ?

उत्तर : 'हिन्दुस्तान हमारा है' - स्वरधारा हमारे देश में रहनेवाले कोटि-कोटि लोगों की है । जबसे पृथ्वी और आकाश का उद्‌भव हुआ है और जबसे आकाश में तारें छिटके और सूर्य-चंद्र बने है, तभी से हमारे देश का अस्तित्व है । इस प्रकार यह स्वरधारा आदि-अनादि काल से है ।

(अथवा)

(27) **'जन्मभूमि में भारतभूमि' की क्या-क्या विशेषताएँ बताई गई है ।**

उत्तर : पंतजी ने 'जन्मभूमि' कविता में भारतभूमि को स्वर्ग से भी महान बताया है । कवि ने हिमालय को भारतभूमि का भाल बताया है । यहाँ गंगा-यमुना जैसी पवित्र नदियाँ हैं । भारतभूमि सुनहरी और हरीभरी है । राम-लक्ष्मण-सीता ने इसे अपनी चरणरज से पवित्र किया है । श्रीकृष्ण ने इस धरती पर 'गीता गान' किया है । सावित्री, राधा तथा अहल्या जैसी महान नारियों की आभा से मानवजाति आलोकित है । ऋषिमुनियों ने ध्यान-तपस्या से अद्‌भूत ज्ञान प्राप्त किया हैं । भारत भूमि जग में भ्रातृ-भावना और 'वसुधैव कुटुंबकम्' के प्रसार की दिशा में कार्यरत है ।

- **निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए। [03]**

(28) **'कहते हैं सब शास्त्र कमाओ रोटी जान बचाकर;**
पर संकट में प्राण बचाओं, सारी शक्ति लगाकर।'

उत्तर : शास्त्रों में कहा गया है कि जान महत्त्वपूर्ण है । अपनी जीविका के लिए वही उद्यम करो, जिसमें जान पर कोई आँच न आए । पर जब जान पर संकट आ जाए, तो प्राणरक्षा के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दो ऐसे अवसर पर शरीर में विशेष शक्ति आ जाती है । जान है तो जहान है ।

(अथवा)

(28) **जब भी भूख से लड़ने**
कोई खड़ा हो जाता है,
सुंदर दिखने लगता है ।

उत्तर : कवि सर्वेश्वर दयाल सकसेना 'भूख' नामक कविता में कहते हैं कि भूख से मुक्ति पाने का नाम संघर्ष है। जब कोई प्राणी भूख से मुक्ति पाने के लिए संघर्ष करता है, तो वह बहुत सुंदर दिखाई देने लगता है। भूख मिटाने के लिए प्राणी कुछ भी करने के लिए तत्पर हो जाता है। यह तत्परता संघर्ष में बदल जाती है और संघर्ष से सौंदर्य जन्म लेता है।

विभाग - C : व्याकरण

- **निम्नलिखित कहावत का अर्थ स्पष्ट कीजिए : [01]**

(29) **मुख में राम बगल में छुरी ।**

उत्तर : कथनी और करनी में फर्क होना।

- **निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए : [01]**

(30) **भूख से आतुर :** क्षुधातुर

- **निम्नलिखित संधि को छोडिए : [01]**

(31) **व्याख्यान** : वि + आख्यान

- **निम्नलिखित संधि को जोडिए : [01]**

(32) **तपः + वन** : तपोवन

- **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [02]**

(33) **ठंडी आह भरना :** दुःखी होना।

वाक्य: **लम्बी बीमारी से परेशान श्यामा ठंडी आह भरने लगी ।**

- **निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए : [02]**

(34) **अनुराग** : विराग

(35) **विरोध** : समर्थन

- **निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए : [02]**

(36) **जलधि** : समुद्र

(37) **शबनम** : औस

- **निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(38) **बच्चा** : बचपन

(39) **बुढ़ा** : बुढ़ापा

- **निम्नलिखित शब्दों की कर्तृवचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(40) **चराना** : चरवाहा

(41) **शिकार** : शिकारी

- **निम्नलिखित शब्दों की विशेषण संज्ञा लिखिए: [02]**

(42) **विज्ञान** : वैज्ञानिक

(43) **दिन** : दैनिक

- **निम्नलिखित समास को पहचानिए : [02]**

(44) **कालिदास** : तत्पुरुष समास

(45) **रामरतन** : कर्मधारय समास

विभाग : D (लेखन विभाग)

- **निम्नलिखित विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : [03]**

(46) **समाचारपत्र :**

उत्तर : समाचारपत्र जनसंचार का मुद्रित माध्यम है। मनुष्य सदा अपने इर्द-गिर्द होनेवाली घटनाओं से परिचित होना चाहता है। अतः समाचारपत्र का आजकल अत्याधिक उपयोग हो रहा है।

समाचारपत्र तो हमारे जीवन का अभिन्न अंग हो गया है। प्रारंभ में समाचारपत्रों का उपयोग सेना के लिए होता था। आज शिक्षा, खेल, मनोरंजन, साहित्य, विज्ञापन आदि के लिए समाचारपत्र उपयोगी है। हर सुबह मुद्रित रुप में समाचारपत्र हमारे सामने आते है। समाज के विकास में समाचारपत्रों की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

समाचारपत्रों का ब्रिटिश शासन में बड़ा महत्त्व था। भारत में 'बंगाली गजट', 'हिन्दुस्तान टाइम्स',

'नेशनल हेराल्ड', 'पायोनियर', 'मुंबई मिरर' जैसे समाचारपत्र अंग्रेजी में निकलतें थे । इनके साथ बंग्ला और उर्दू में भी समाचारपत्र निकलते थे । हिन्दी के समाचारपत्र सबको एक सूत्र में बाँधने में महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुए । लोकमान्य तिलक ने 'केसरी', लाला लजपतराय ने 'वंदे मातरम्' समाचारपत्र निकाले । आजादी के आंदोलनों में समाचारपत्रों का बहुत बड़ा योगदान रहा । गणेश शंकर विद्यार्थीने 1913 में कानपुर से 'प्रताप' का प्रकाशन प्रारंभ किया । समाचारपत्र आजादी के हथियार सिद्ध हुए । गांधीजी ने 'हरिजन' तथा 'यंग इन्डिया' का प्रकाशन किया । इलेक्ट्रोनिक मिडिया के होते हुए भी समाचारपत्र आज भी विश्वसनीय और लोकप्रिय है ।

(**अथवा**)

(46) **कम्प्यूटर :**

उत्तर : कम्प्यूटर मनुष्य के मस्तिष्क की तरह, किन्तु इससे भी अधिक तेजी से गाणितिक रचनाओं, आँकड़ों के विश्लेषण आदि के साथ-साथ प्राप्त सामग्री को अपनी स्मृति की इकाई में सचेत करता है । सन् 1833 में चार्ल्स बेवेज ने विशेष किस्म की मशीन का आविष्कार किया, जो एरिथमेटिक, आउटपुट एवं कंट्रोल संबंधी अवस्था थी । इस दृष्टि से चार्ल्स बेवेज को आधुनिक कम्प्यूटर का पिता कहा जा सकता है ।

आज कम्प्यूटर जगत में वैविध्यपूर्ण एवं विशिष्ट कार्य करनेवाले अनेकविध कम्प्यूटर उपलब्ध है । आजकल विज्ञान, वाणिज्य, स्वास्थ्य, संगीत, पत्रकारिता, शिक्षा, समाचारपत्रों, दूरदर्शन, आकाशवाणी, संचार सेवा, परिवहन, अंतरिक्ष आदि सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का उपयोग बड़े पैमाने पर होता है । संचार क्रांति में कम्प्यूटर की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है ।

- **निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [06]**

मानव के व्यक्तित्व का निर्माण करने वाले विभिन्न तत्त्वों में चरित्र का सबसे अधिक महत्त्व है । चरित्र एक ऐसी शक्ति है जो मानवजीवन को सफल बनाती है । चरित्र की शक्ति ही आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है । चरित्र मनुष्य के क्रिया-कलाप और आचरण के समूह का नाम है । चरित्ररुपी शक्ति के सामने पाश्विक शक्ति भी नष्ट हो जाती है । चरित्र की शक्ति विद्या, बुद्धि और संपत्ति से भी महान है । इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई चक्रवर्ती सम्राट धन, पद, वस्तु और विद्या के स्वामी थे, परंतु चरित्र के अभाव में अस्तित्वविहिन हो गए ।

प्रश्न :

(47) चरित्र किसे कहते हैं ?

उत्तर : मनुष्य के क्रिया-कलाप और आचरण के समूह को चरित्र कहते हैं ।

(48) चरित्र का क्या महत्त्व है ।

उत्तर : चरित्र की शक्ति मानवजीवन को सफल बनाती है । चरित्र की शक्ति आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता उत्पन्न करती है । चरित्र से व्यक्तित्व निर्माण होता है ।

(49) पाश्विक शक्ति किसके सामने नहीं टिक पाती ?

उत्तर : चरित्र शक्ति के सामने पाश्विक शक्ति नहीं टिक पाती ।

(50) इस परिच्छेद को उचित शीर्षक दीजिए ?

उत्तर : इस परिच्छेद के लिए उचित शीर्षक 'चरित्र की शक्ति' है ।

(51) चक्रवर्ती सम्राट किसके स्वामी थे ?

उत्तर : धन, पद, वस्तु और विद्या के चक्रवर्ती सम्राट थे ।

(52) मानव के व्यक्तित्व निर्माण करनेवाले तत्त्वों में किसका महत्त्व है ?

उत्तर : मानव व्यक्तित्व निर्माण करनेवाले तत्त्वों में चरित्र का

- **निम्नानुसार पत्र लिखिए । [05]**

(53) **24, अंकुर सोसायटी, नारणपुरा, अहमदाबाद 380013 से सुनिल पंचाल, सुरत निवासी अपने मित्र नैमेश पटेल को रक्तदान का महत्त्व समझाते हुए पत्र लिखता है ।**

24, अंकुर सोसायटी,
नारणपुरा,
अहमदाबाद 380013
25 अक्तूबर 2021

प्रिय मित्र नैमेश,
सप्रेम नमस्ते ।

तुम्हारा पत्र मिला । यह पढ़कर खुशी हुई कि तुम रक्तदान करना चाहते हो ।

रक्तदान महादान है । हम किसी को जीवनदान दे सके इससे तो बड़ा सौभाग्य क्या होगा ? सड़क दुर्घटना या किसी भी अकस्मात में कई लोग घायल होते हैं । चोट लगने से काफि खून बह जाता है । ऐसे घायलों को रक्तदान देने से उनकी जान बच सकती है । थैलेसेमिया जैसे रोगों में नियमित रक्त देने की जरूरत होती है । बड़े-बड़े ऑपरेशनों में भी रक्त की जरुरत होती है । ब्लड बैंक से समय पर रक्त मिल जाने से जान बच जाती है । ब्लड बैंक के पास सीमित मात्रा में रक्त उपलब्ध होता है । ब्लड बैंक को भी संग्रह के लिए रक्त की जरुरत पड़ती है । तुम पुख्त अर्थात् 18 साल के हो जाने पर रक्तदान कर सकते हो । हाँ, तुम्हारा वजन 50 किलो हो और शारीरिक स्वस्थता हो तो ही रक्तदान कर सकते हो ।

तुम्हारें माता-पिता को मेरा प्रणाम । भाई-बहन को स्नेह याद ।

तुम्हारा मित्र
सुनिल

- **रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर शीर्षक एवं बोध लिखिए : [05]**

(54) एक विद्यार्थी --- परीक्षा में असफल होना --- निराशा --- घर छोड़कर जंगल में जाना --- पेड़ पर मकड़ी को बार-बार चढ़ने का प्रयत्न करते देखना --- सफलता का मार्ग मिलना --- ध्यान से पढ़ना -- सफल होना --- बोध ।

कहानी : राजू नामक एक विद्यार्थी था । राजू नौंवी कक्षा में पढ़ता था । राजू पढ़ाई में कमजोर था । पढ़ाई के प्रति वह लापरवाह भी था । अपनी लापरवाही के कारण वह नौंवी कक्षा में एक बार अनुत्तीर्ण भी हुआ था । अब फिर से वार्षिक परीक्षा आ पहूँची थी, परंतु राजू मन लगाकर परिश्रम नहीं करता था । इसलिए वह परीक्षा में दोबारा अनुत्तीर्ण हो गया । बार-बार असफल होने से वह बहुत निराश हो गया ।

आत्महत्या करने के इरादे से वह जंगल में जा पहुँचा । उसने एक बडे पेड़ की डाल में रस्सी बाँध दी । रस्सी का फंदा गले में डालकर वह मरना चाहता था ।

वह रस्सी का फँदा बना ही रहता था कि उसकी नजर मकडी पर पड़ी । मकड़ी एक पेड़ पर चढ़ना चाहती थी । मकड़ी बार-बार कोशिश कर रही थी । परंतु हर बार नीचे गिर जाती थी । परंतु गिरकर फिर प्रयत्न करती रहती थी । कई बार प्रयास करने के बाद वह मकड़ी पेड़ पर चढ़ने में सफल रही ।

मकड़ी की इस सफलता से राजू को बहुत प्रेरणा मिली । उसमें उत्साह का संचार हुआ । आत्महत्या का विचार छोड़कर वह घर लौट आया । उस दिन से वह पढ़ाई में जी-जान लगाकर जुट गया । उसकी मेहनत रंग लाई । वह वार्षिक परीक्षा में अच्छे अंको से उत्तीर्ण हुआ ।

बोध : लगन से परिश्रम करने पर सफलता अवश्य मिलती है । परिश्रम ही सफलता की कुंजी है ।

- **किसी एक विषय पर करीब 150 शब्द में निबंध लिखिए । [07]**

(55) **विज्ञान के लाभालाभ :**

प्रस्तावना --- विज्ञान की व्यापकता --- विज्ञान के अनेक उपयोग --- यातायात--- व्यवसाय --- मनोरंजन --- चिकित्सा --- अंतरिक्ष --- विज्ञान का विनाशकारी रुप --- उज्जवल भविष्य --- उपसंहार ।

निबंध : 'जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान' मानव को चाँद पर पहुँचाने वाला विज्ञान ही है । इसलिए आधुनिक युग में हम यह नारा लगाते हैं । आज का युग विज्ञान का युग है । जिस ओर देखो, उस ओर विज्ञान की बोलबाला है । जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विज्ञान के वरदान बिखरे हुए है । आज का युग विज्ञान के आविष्कारों और सिद्धियों का युग है ।

हमारे रसोईघर से स्मशान तक विज्ञान छाया हुआ है । बीजली का आविष्कार आधुनिक युग में कल्पवृक्ष सिद्ध हुआ है । पाताल से लेकर अंतरिक्ष तक विज्ञान छाया हुआ है ।

विज्ञान के उपयोग बिना आज एक भी क्षेत्र नहीं रहा । बीजली से चलनेवाले उपकरण, कारखाने, कृषि, शिक्षा आदि हरएक क्षेत्र के विकास के पीछे विज्ञान है ।

विज्ञान के यातायात, संबंधी आविष्कारों ने विश्व को एक छोटा-सा गाँव बना दिया है । रेल, मोटर, जलपोत और हवाई जहाजों के जरिए आज हम सैंकडो किलोमीटर की यात्रा बात ही बात में पूरी कर सकते हैं । टेलिफोन, मोबाइल, टेलिविजन, ई-मेल, फेक्स और इन्टरनेट की सुविधा के कारण वाणिज्य व्यवसायों का विकास हुआ है । मनोरंजन के क्षेत्र में सिनेमा और टेलिविजन के कारण क्रांति हुई है । इन्टरनेट के कारण मोबाइल आज मनोरंजन का साधन बन चुका है । चिकित्सा के क्षेत्र में वैज्ञानिक चमत्कारों ने आमूल परिवर्तन कर दिया है । आज अंधे को आँख मिल सकती है, जरुरत पड़ने पर कृत्रिम अंग भी बैठाए जा सकते हैं । एक्स-रे, सोनोग्राफी, एम.आर.आई. द्वारा शरीर के भीतरी भागों की छान-बीन और इलाज संभव हो गया है । विज्ञान द्वारा अनेक असाध्य रोग साध्य हो चुके हैं ।

संदेशव्यवहार के क्षेत्र में हुई क्रान्ति विज्ञान की देन है । अंतरिक्ष संशोधन अंतर्गत मंगल ग्रह पर प्रयाण हो चुका है । अंतरिक्षयात्रा सुलभ हो चुकी है ।

विज्ञान के युद्ध विषयक विविध अस्त्र-शस्त्रों के आविष्कार ने विज्ञान को अभिशाप बना दिया है । परमाणु-बम और हाइड्रोजन बम भी विज्ञान की ही देन है । मनुष्य मात्र को समाप्त कर देनेवाली विषैली गैस भी विज्ञान द्वारा खोजी गई है । जैविक-रासायनिक शस्त्रों का खतरा विज्ञान के कारण ही खड़ा हुआ है ।

विज्ञान के कारण हमारा भविष्य दिन-प्रतिदिन उज्जवल हो रहा है । विज्ञान की सिद्धियाँ अद्भूत है । विज्ञान मानव जाति के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है । विज्ञान के आविष्कारों के कारण कृषि क्षेत्र में क्रान्ति हो सकती है । भूखमारी, गरीबी, रोग इत्यादि समस्या विज्ञान दूर कर सकता है ।

मानवजाति ही नहीं समग्र प्राणी जगत और पर्यावरण की सुरक्षा को ध्यान में रखकर आविष्कार होते रहे तो हम धरती पर स्वर्ग का निर्माण भी विज्ञान की सहायता से कर सकते है ।

(अथवा)

(55) **प्रदूषण : एक विकट समस्या :**

प्रस्तावना --- दुनिया में प्रदूषण के प्रकार --- प्रदूषण के कारण --- प्रदूषण के दुष्परिणाम --- प्रदूषण कम करने के उपाय --- संदेश --- उपसंहार

निबंध : आज हम प्रदूषण की दुनिया में जी रहे हैं । जल, स्थल और आकाश पर प्रदूषण के दैत्य ने अपना अधिकार जमा लिया है । सर्वत्र प्रदूषण के

कारण हमारा जीवन भयावह चक्रव्यूह में फँसकर रह गया है ।

आज विश्व का एक भी ऐसा देश नहीं बचा, जो प्रदूषण की समस्या का सामना ना कर रहा हो । प्रदूषण के कारण ही वैश्विक तापमान बढ़ा है और हिमखंड पिघल रहे है । कई देशों में बाढ़ के कारण तबाही मची हुई है ।

प्रदूषण बहुमुखी दैत्य है । वह वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण के रुप में अपनी जीभे लपलपा रहा है । हम दूषित वायुमंडल में साँस ले रहे हैं । पीने के लिए लोगों को स्वच्छ जल नहीं मिल रहा है । दूषित जल और जंतुनाशक दवाओं के कारण अनाज, फल और सब्जियाँ दूषित हो रहे हैं । प्रदूषण के इन विविध रुपों ने इस सुंदर सृष्टि के अस्तित्व पर ही प्रश्न चिह्न लगा दिया ।

प्रदूषण की इस विकट समस्या के मूल में औद्योगिक क्रांति और बढ़ती हुई आबादी है । मिलों, कारखानाओं और वाहनों से निकलने वाला धुआँ वातावरण को विषैला बना रहा है । गैस प्लान्टों से गैस रिसने की दुर्घटनाएँ पर्यावरण को खौफनाक बना रही है । कारखानों से निकलने वाला रासायणिक कूड़ा-कचरा तथा शहर की गटरों का पानी नदियों, झीलों तथा समुद्रों के पानी में विष घोल रहा है । रेलगाड़ियो, मोटरों के होर्न, रेडियो, टी.वी., डी.जे तथा लाउड स्पीकरों से निकलने वाली आवाज़ ध्वनि प्रदूषण की वृद्धि में सहयोग दे रहे हैं । शहरों की गंदी झोंपडपट्टियाँ, मशीनीकरण की बढ़ती प्रवृत्ति और वनों तथा वृक्षों का बेतहाशा विनाश प्रदूषण के मुख्य कारण हैं ।

हर तरह का प्रदूषण जीवन का शत्रु है । वायु-प्रदूषण के कारण वायुमंडल में कार्बन डायोक्साइड की मात्रा बढ़ती जा रही है । इससे पृथ्वी के पर्यावरण के ऊपर रहनेवाले ओझोन-गैस का सुरक्षा चक्र बुरी तरह प्रभावित हो रहा है । पृथ्वी पर के तापमान के अनियमित होने से ऋतुओं का परिवर्तन चक्र भी गड़बड़ा रहा है । वायु तथा जल प्रदूषण से तरह-तरह के घातक रोग फैल रहे हैं । खेती की पैदावार नष्ट हो रही है । धरती बंजर हो रही है । ध्वनि प्रदूषण के कारण मानव बहेरापन, अनिद्रा, रक्तचाप तथा मानसिक रोगों का शिकार बन रहा है ।

प्रदूषण से संपूर्ण तथा मुक्ति असंभव है, पर उसे कम तो कर सकते है । इसके लिए लोक जागृति पैदा करनी होगी । वनों के विनाश को रोकना होगा और वृक्षारोपण बढ़ाना होगा । यदि हम समझदारी से काम ले, जनसंख्यावृद्धि दर कम कर सके और यंत्रों के उपयोग पर अंकुश रखें तो प्रदूषण की समस्या से बहुत हद तक निपट सकते हैं ।

पृथ्वी नाम के सुंदर ग्रह का अस्तित्व बनाए रखने और आनेवाली पीढी को इस धरोहर को सौंपने के लिए हमें थोडी़ देर रुककर सोचना चाहिए । यदि मानवजाति सुख-शांति से जीना चाहती है तो प्रदूषण को रोकना पड़ेगा ।

(अथवा)

(55) **वृक्ष ही जीवन है ।**

वृक्ष --- मनुष्य के लिए वरदान --- वृक्षारोपण एक पुण्यकार्य --- वृक्षारोपण के लाभ --- वैज्ञानिक और भौगोलिक दृष्टि से महत्त्व --- उपसंहार ।

निबंध : वृक्ष परोपकार के लिए जीता है । वृक्ष प्रकृति का एक सुंदर अंग है । यह मानवजाति के लिए प्रकृति का अनूठा उपहार है । किसी भी देश के भूगोल से वृक्षों का गहरा संबंध होता है ।

वृक्ष मानवजाति के लिए वरदान है । आदि मानव ने वृक्षों से ही सभ्यता और संस्कृति के पाठ सीखे थें । वृक्षों के बिना मानव-जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती । वृक्ष प्राणवायु का सबसे बड़ा स्त्रोत है । वृक्ष फल और छाँव ही नहीं देते, परोपकार के पाठ भी सीखाते हैं ।

वृक्षारोपण का कार्य एक पवित्र कार्य है । सिर्फ रोपण ही नहीं, वृक्ष का पालन–पोषण–रक्षण करना भी हमारा धर्म है । वृक्षों को धर्म के साथ जोड़ने का यही कारण था कि हम वृक्ष की रक्षा करें ।

वृक्ष बोने से अनेक लाभ प्राप्त होते हैं । घर के आसपास वृक्ष हो तो उसकी छाँव मिलती है । वृक्ष के कारण तापमान कम रहता है । वृक्षों के कारण ध्वनि–प्रदूषण से राहत मिलती है । वृक्ष फल, फूल, औषधि प्रदान करता है । वृक्ष बारिश लाने में सहायक है । वृक्षों के कारण बाढ़ से धरती की रक्षा होती है । वृक्षों के कारण वैश्विक तापमान बढ़ता नहीं है । वृक्षों से घर आंगन सुंदर लगता है ।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखे तो वृक्ष के कारण प्राण–वायु उपलब्ध होता है । वृक्ष के कारण पर्यावरण सुरक्षा होती है । वृक्ष मिट्टी को जकड़कर रखते है । भौगोलिक दृष्टि से देखे तो वृक्ष पर्वतों को ढल जाने से बचाते है । वृक्षो के कारण क्षार नियंत्रण होता है । वृक्षों के कारण धरती सुंदर लगती है ।

जैसे जल है तो जीवन है, वैसे ही वृक्ष है तो विश्व है । वृक्ष में भी वृक्ष को हमने ईश्वर का स्वरुप प्रदान किया है । 'चिपको आंदोलन' के पीछे पर्यावरण के प्रति जागृति थी । आज भी मोटे–मोटे हाइवे बनाकर वृक्षों का विनाश हो रहा है । उसे रोकने की तीव्र जरुरत है । यदि वृक्ष नहीं रहेंगे तो यह सृष्टि जीने योग्य नहीं रहेगी ।

विभाग - A : गद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । [03]**

(1) **सदानंद के कहने पर शादीराम ने पत्रिकाओं के चित्रों का क्या किया ?**

(A) **अलबम बनाया** (B) बेच दिए
(C) बच्चों को बाँटी (D) दीवारों पर लगाई

(2) **बुद्धिराम की बेटी लाडली काकी के लिए कौनसा कवच था ?**

(A) भावना का (B) **सुरक्षा का**
(C) भक्ति का (D) एक भी नहीं

(3) **निम्नलिखित में से कौनसा पाठ आत्मकथा का अंश है ?**

(A) **मेरी माँ** (B) बूढी काकी
(C) अलबम (D) भीतरी समृद्धि

- **सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [03]**

(4) **टेल्को** कंपनी का विज्ञापन था । (टेल्को, इन्फोसिस)
(5) अंबिका **मल्लिका** की माँ थी । (कालिदास, मल्लिका)
(6) मालती की आवाज सुनकर बिंदु की चाल में **तेजी** आ गई । (रूकावट, तेजी)

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए । [03]**

(7) **रामप्रसाद बिस्मिल को इस बात का दुःख था कि उन्हें....**

(A) माँ की सेवा का अवसर नहीं मिलेगा ।
(B) माँ का प्यार नहीं मिला ।
(C) अपनी माँ से दूर रहना पड़ता था ।

वाक्य : **रामप्रसाद बिस्मिल को इस बात का दुःख था कि उन्हें माँ की सेवा का अवसर नहीं मिलेगा ।**

(8) **सूधामूर्ति ने अपनी पढ़ाई .... क्षेत्र में की थी ।**

(A) कम्प्यूटर विज्ञान (B) ओटोमोबाईल विज्ञान
(C) सिविल ईन्जीनियर

वाक्य : **सूधामूर्ति ने अपनी पढ़ाई सिविल ईन्जीनियर क्षेत्र में की थी ।**

(9) **पंडित शादीराम अपना ऋण क्यों नहीं उतार पाते थे ?**

(A) वे अत्यंत गरीब थे ।
(B) रूपये देने की उनकी दानत नहीं थी ।
(C) पैसे देने जितनी रकम ईकठ्ठी नहीं होती थी ।

वाक्य : **पैसे देने जितनी रकम ईकठ्ठी नहीं होती थी । इसलिए पंडित शादीराम अपना ऋण नहीं उतार पाते थे ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(10) **बूढ़ी काकी ने अपनी सारी संपत्ति किसके नाम लिख दी ?**

उत्तर : बूढ़ी काकी ने अपनी सारी संपत्ति बुद्धिराम के नाम लिख दी थी ।

(11) **बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश क्या था ?**

उत्तर : बिस्मिल की माताजी का सबसे बड़ा आदेश था कि बिस्मिल द्वारा किसी की प्राणहानि न हो ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए। [02]**

(12) **टेल्को के विज्ञापन में चौंकानेवाली बात क्या थी ?**

उत्तर : विज्ञापन प्रसिद्ध ओटो मोबाईल कंपनी टेल्को (टाटा) को योग्य और परिश्रमी इंजीनियरों की आवश्यकता के बारे में था। उसमें अंतिम पंक्ति में छोटे-छोटे अक्षरों में लिखा था – 'महिला उम्मीदवार आवेदन न भेजें।' टेल्को के विज्ञापन में यह चौंकानेवाली बात थी।

(अथवा)

(12) **बूढी काकी कब रोती थी ?**

उत्तर : बूढी काकी में जीभ के स्वाद के सिवा कोई चेष्टा शेष नहीं थी और न अपने कष्टों की ओर आकर्षित करने का, रोने के अतिरिक्त कोई दूसरा सहारा ही। घरवाले कोई बात उनकी इच्छा के प्रतिकूल करते, भोजन का समय टल जाता या उसकी मात्रा कम होती अथवा बाजार से कोई वस्तु आती और न मिलती, तो वे रोने लगती थी।

- **निम्नलिखित प्रश्न का चार-पांच वाक्य में उत्तर लिखिए। [03]**

(13) **घायल हरिण-शावक को बचाने के लिए कालिदास ने क्या-क्या किया ?**

उत्तर : राजपुरुष दन्तुल के बाण से घायल होकर हरिण-शावक अपनी जान बचाने के लिए छलाँगे भरता हुआ कालिदास की गोद में आ गया था। तब कालिदास ने उसे अपनी गोद में समेटकर उसके घायल बदन को सहलाते हुए उसे तरह-तरह से सांत्वना दी थी। ठीक उसी तरह जैसे वे किसी घायल बच्चे को पुचकार-कर धीरज बँधा रहे हों। मल्लिका के घर उन्होंने उसे दूध पिलाया, जिससे उसे राहत मिली। मल्लिका के घर राजपुरुष ने हरिण-शावक को अपनी संपत्ति बताते हुए कालिदास से उसे सौंप देने का हठ किया तो कालिदास ने स्पष्ट शब्दों में उसे जवाब दिया कि इस क्षेत्र में आखेट नहीं होता और यह हरिण शावक पाश्चात्य भूमि की संपत्ति है। कालिदास अंत में राजपुरुष की परवाह नहीं करते और घायल हिरण शावक को अपने साथ लेकर अपने घर जाने के लिए निकल पड़ते हैं। इस प्रकार कालिदास ने हरिण-शावक को बचाने के लिए हर संभव प्रयत्न किया।

(अथवा)

(13) **बिन्दु के प्रति सहानुभूति जागने पर मालती ने क्या किया ?**

उत्तर : दोपहर बीती और शाम होने को आई, पर बिन्दु अब तक नहीं लौटा। यह सोचकर मालती को चिंता होने लगी। 'बेचारा भूखा-प्यासा जाने कहाँ भटक रहा होगा ?' उसके मन में बिन्दु के प्रति सहानुभूति जग गई। उसने कमरे से बाहर आकर देखा। बगीचे में चक्कर लगाया कि कहीं पेड़ के नीचे पड़ा सो न रहा हो। फिर वह अपने आप को कोसने लगी कि उसने छोटी-सी बात को इतना तूल क्यो दिया ? तभी उसे कुंदन से पता चला कि बिन्दु को उठाकर ले आई। वह उसे चौके में ले गई और स्वयं परोसकर उसे पेटभर खाना खिलाया।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए। [02]**

(14) **"धन सुख का जादूगर भी है और शांति का डकैत भी है।"**

उत्तर : सुखमय जीवन जीने के लिए धन बहुत जरुरी है। मनुष्य जादू की गति से एशो-आराम की जिंदगी जी सकता है। धन आने पर मनुष्य की अधिक से अधिक धन प्राप्त करने की तृष्णा बढ़ती जाती है। इससे मनुष्य की शांति गायब हो जाती हे। उसका मन अशांत हो जाता है। वह धन के पीछे पागलों की तरह भागने लगता है। धन का यह एक दोष भी है। इसीलिए कहा गया है कि धन सुख का जादूगर भी है, और शांति का डकैत भी है।

(अथवा)

(14) **"तुम्हारे लिए प्रश्न अधिकार का है, उनके लिए संवेदना का है ।"**

उत्तर : शिकारी को शिकार करके किसी के प्राण लेने में कोई झिझक नहीं होती, बल्कि वह इसे बहादुरी और मनोरंजन के रूप में देखता है । वह शिकार करना अपना शौक मानता है और शिकार पर अपना अधिकार पर संवेदनशील व्यक्ति का हृदय किसी घायल प्राणी को देखकर द्रवित हो उठता है । वह उसके प्राण बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा देता है । यदि कोई किसी को जान नहीं दे सकता तो उसे किसी के प्राण लेने का भी अधिकार नहीं है । मारनेवाले से बचानेवाला बड़ा होता है ।

विभाग -B : पद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : [03]**

(15) **कृष्ण ने किस ग्रंथ की रचना की ?**

(A) महाभारत **(B) भगवद्गीता**

(C) रामायण (D) स्कन्दपुराण

(16) **यमुना नदी का दूसरा नाम क्या है ?**

(A) गंगा (B) सरस्वती

(C) तापी (D) कालिंदी

(17) **प्रभुजी बादल है तो भक्त क्या है ?**

(A) बरसात (B) चकोर

(C) मोर (D) पानी

- **निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [03]**

(18) भारत का भाल **हिमालय** है । (हिमालय, गिरनार)

(19) सास ने मीरा को **कुलनाशी** कहा । (कुलनाशी, बावरी)

(20) 'सवैये' काव्य के कवि **रसखान** है । (रसखान, मीराबाई)

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए : [02]**

(21) खरहा भागा, क्योंकि...

(A) शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था ।

(B) जंगल में आग लगी थी ।

(C) खाना खत्म हो गया था ।

वाक्य : **प्रभुजी चंदन है तो भक्त पानी है ।**

(22) मीरा अपने सद्गुरु की कृपा से.....

(A) बहुत बड़ा महल पाया ।

वाक्य : **खरहा भागा, क्योंकि शिकारी कुत्ता पीछे पड़ा था।**

(22) अमीर खुशरों की पहेली में समोसा.....

(A) तीखा था । (B) तला नहीं था ।

(C) अच्छा नहीं था ।

वाक्य : **अमीर खुशरों की पहेली में समोसा तीखा था ।**

(23) तोते ने अपने जीवन का अंत.....

(A) पाँच साल बाद मान लिया था ।

(B) सुखे तरु के अंत के साथ ही मान लिया ।

(C) दस साल बाद मान लिया था ।

वाक्य : **तोते ने अपने जीवन का अंत दस साल बाद मान लिया था ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(24) **मीरा के आराध्य देव कौन थे ?**

उत्तर : मीरा के आराध्य देव श्रीकृष्ण थे ।

(25) **मनुष्य के रूप में रसखान कहाँ बसना चाहते हैं ?**

उत्तर : मनुष्य के रुप में रसखान गोकुल गाँव के ग्वालों के साथ बसना चाहते हैं ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए । [02]**

(26) **पेड़ क्यों सुख गया ?**

उत्तर : एक शिकारी द्वारा विषबुझा बाण छोड़ा गया था । विषबुझा बाण लगने से पेड़ सुख गया ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्य में लिखिए : [03]**

(27) **मीरा के पदों के आधार पर सद्‌गुरु की महिमा का वर्णन कीजिए ।**

उत्तर : मीरा ने सद्‌गुरु को बहुत महत्त्व दिया है । मीरा सांसारिक जीवन को त्यागकर अपने आराध्य देव श्रीकृष्ण की भक्ति पाकर मगन है । वे इसे रत्न की उपमा देती हैं । वे इस अनमोल वस्तु को प्राप्त कराने का श्रेय सद्‌गुरु को ही देती है कि ''रामरतन रुपी धन'' उन्हें अपने सद्‌गुरु की कृपा से प्राप्त हुआ है । सद्‌गुरु की कृपा इस संसाररुपी सागर में नाव के समान है । इस नाव में बैठकर मीरा सुरक्षित रुप से इस भवसागर को पार करने के प्रति निश्चिंत हैं, क्योंकि इस नाव के खेवनहार उनके सद्‌गुरु होंगे ।

(अथवा)

(27) **तोता और इंद्र का संवाद अपने शब्दों में लिखिए ।**

इन्द्र : अरे भाई तोते ! इस वन में एक से एक हरे भरे पेड़ हैं । आश्चर्य है, तुम इस सुखे पेड़ के इस खोखले में अपरिचित जैसे और अनाड़ियों की भाँति पड़े हुए हो । यह मूर्खता नहीं, तो और क्या है ?

तोता : महाराज ! यह पेड़ आज सुख गया है, पर पहले यह बहुत हरा-भरा और सुंदर था । पूरे वन में यह अपने ढंग का अकेला और सबसे अच्छा पेड़ था । यह इस वन की शोभा था । विभिन्न पक्षियों को यह पेड़ बहुत प्यारा था । मेरा जन्म इसी हरे-भरे पेड़ पर हुआ था । इसलिए मुझे इसकी प्रत्येक डाल प्यारी है । इसी की छाया में मैंने अपना जीवन आरंभ किया था । इसी पर मैंने बोलना, चहकना और उड़ना सीखा था । इसने मुझे बचपन से लेकर अब तक शीतल छाया दी है । यह मेरे सुख-दुःख का सच्चा साथी रहा है ।

लेकिन आज यह पेड़ सुख रहा है, इसका एक कारण है । ऐक बार वन में एक शिकारी आया था । उसने विष से बुझा बाण इस पेड़ पर चला दिया था । तबसे यह पेड़ विष के प्रभाव से दिन-प्रतिदिन सुखता जा रहा है । यह पेड़ मेरा बचपन का साथी है । इसी पेड़ पर रहकर मुझे सुख, संतोष और शांति मिलती है । इसे छोड़कर मैं कहाँ जा सकता हूँ ? लगता है इसके साथ-साथ मेरा भी अंतिम क्षण होगा

इन्द्र : तो यह बात है ! तोते, में तुमसे प्रसन्न हूँ । अब तेरा जीवन सफल हो जाएगा । तुम मुझसे जो चाहो, माँग लो, मैं इसी क्षण पूरा कर दूँगा ।

तोता : हे देवपति ! यह पेड़ सारे वन की शोभा है । आप इस पेड़ को हरा-भरा कर दीजिए ।

इन्द्र : एवमस्तु !

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए : [02]**

(28) **जब भी भूख से लड़ने**
कोई खड़ा हो जाता है,
सुंदर दिखने लगता है ।

उत्तर : कवि सर्वेश्वर दयाल सकसेना 'भूख' नामक कविता में कहते हैं कि भूख से मुक्ति पाने का नाम संघर्ष है । जब कोई प्राणी भूख से मुक्ति पाने के लिए संघर्ष करता है, तो वह बहुत सुंदर दिखाई देने लगता है । भूख मिटाने के लिए प्राणी कुछ भी करने के लिए तत्पर हो जाता है । यह तत्परता संघर्ष में बदल जाती है और संघर्ष से सौंदर्य जन्म लेता है ।

(अथवा)

(28) ''संत की नाव खैंच दिया सद्‌गुरु भवसागर तरि आयो ।''

उत्तर : सच्चाई मनुष्य का सबसे बड़ा गुण है । यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन से अपने आराध्य देव का ध्यान करें और सद्‌गुरु का सहयोग प्राप्त हो, तो व्यक्ति को भवसागर से मुक्ति पाना कठिन नहीं है । मीराबाई को अपने सद्‌गुरु पर अटूट विश्वास है । उनके लिए सद्‌गुरु की कृपा इस संसाररुपी महासागर

में नाव के समान है । इस नाव के सहारे वे सुरक्षित रुप से इस भवसागर को पार कर लेगी, इस बात का उन्हें विश्वास है ।

विभाग - C : व्याकरण

- **निम्नलिखित कहावत का अर्थ स्पष्ट कीजिए : [01]**

(29) **मुख में राम बगल में छुरी ।**

उत्तर : कथनी और करनी में फर्क होना ।

- **निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए : [01]**

(30) बहुत समय तक जीवित रहेने वाला : **चिरंजीवी**

- **निम्नलिखित संधि को छोडिए : [01]**

(31) परमानंद : **परम् + आनंद**

- **निम्नलिखित संधि को जोडिए : [01]**

(32) प्रति + एक : **प्रत्येक**

- **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [02]**

(33) पोल खोलना : **रहस्य बता देना**

वाक्य : **बच्चों ने चाचाजी की पोल खोल दी ।**

- **निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए : [02]**

(34) सज्जन : **दुर्जन**

(35) जीवन : **मृत्यु**

- **निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए : [02]**

(36) खेवटिया : **नाविक**

(37) घृत : **घी**

- **निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(38) कोमल : **कोमलता**

(39) बच्चा : **बचपन**

- **निम्नलिखित शब्दों की कर्तृवचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(40) उपदेश : **उपदेशक**

(41) विज्ञान : **वैज्ञानिक**

- **निम्नलिखित शब्दों की विशेषण संज्ञा लिखिए: [02]**

(42) समाज : **सामाजिक**

(43) कृपा : **कृपालु**

- **निम्नलिखित समास को पहचानिए : [02]**

(44) महाकवि : **कर्मधारय समास**

(45) पंचवटी : **द्विगु समास**

विभाग -D : लेखन

- **निम्नलिखित विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : [03]**

(46) **कम्प्यूटर :**

उत्तर : कम्प्यूटर के लिए हिन्दी में संगणक शब्द का प्रयोग होता है । यह मनुष्य के मस्तिष्क से भी अधिक तेज गति से काम करता है । यह प्राप्त सामग्री को अपनी स्मृति की इकाई में भी रखता है । आज का संगणक न्यूमैन नामक वैज्ञानिक की दैन है । 1833 में चार्ल्स बेवेज ने विशेष किस्म की मशीन का आविष्कार किया । इस दृष्टि से चार्ल्स बेवेज को आधुनिक कम्प्यूटर का जनक कहा जा सकता है । आज लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का उपयोग होता है । संचार क्रांति में कम्प्यूटर की भूमिका महत्त्वपूर्ण रही है ।

(अथवा)

(46) **ई-मेल** (e-mail) **:**

उत्तर : ई-मेल का अर्थ है इलेक्ट्रोनिक मेल (यह एक ऐसी प्रक्रिया है जो दो कम्प्यूटर युजर्स के बीच संदेश व्यवहार का कार्य करती है । 1960 से 1970 तक

इस प्रकार की संदेश व्यवहार पद्धति में अनेक रुप से सुधार हुए । आज इलेक्ट्रोनिक मेल की प्रक्रिया ई-मेल के रुप में जानी जाती है ।

यह प्रक्रिया इन्टरनेट के माध्यम से होती है । कुछ समय पहले दोनों कम्प्यूटर युजर्स होना जरुरी था । आज यह ई-मेल व्यवस्था स्टोर एड फोर्वर्ड मॉडल पर निर्भर है । ई-मेल सर्वर संदेश को स्वीकार कर, फोर्वर्ड कर डिलीवर करते है तथा स्टोर करते हैं । इसलिए भैजनेवाला या पानेवाला कम्प्यूटर का online होना अब जरुरी नहीं ।

- **निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [06]**

प्रत्येक मनुष्य में अच्छाई और बुराई दोनों प्रवृत्तियाँ होती है । यह व्यक्ति विशेष पर निर्भर करता है कि वह इन दोनों में से किसे अपनाए । दानशीलता और दूसरों की भलाई करने से बड़ा और कोई काम नहीं है । भलाई करनेवाले व्यक्ति की सभी प्रशंसा करते हैं, जबकि बुराई किसी को पसंद नहीं होती । बुराई से कोई व्यक्ति अपार धन-संपत्ति क्यों न अर्जित कर लें, पर समाज में उसे अच्छे व्यक्ति के रुप में मान्यता कभी नहीं मिलती है । बुरे कार्यों से अर्जित धन से शैतानियत की झलक मिलती है । इस तरह नीच कर्म से मनुष्य शैतान ही बनता है, जबकि अपने सद्कर्मों से मनुष्य को देवदूत के रुप में प्रतिष्ठा मिलती है ।

प्रश्न :

(47) **लोग किसकी प्रशंसा करते हैं ?**

उत्तर : लोग भलाई करनेवाले व्यक्ति की प्रशंसा करते हैं ।

(48) **शैतान कौन कहलाता है ?**

उत्तर : बुरें कार्यों से धन अर्जित करनेवाला शैतान कहलाता है।

(49) **मनुष्य देवदूत कैसे बन सकता है ?**

उत्तर : मनुष्य अपने सद्कर्मों से देवदूत बन सकता है ।

(50) **'भलाई' शब्द का विलोम शब्द ढूँढकर बताइए?**

उत्तर : 'भलाई' शब्द का विलोम शब्द 'बुराई' है ।

(51) **नीच कर्मो से मनुष्य .... ही बनता है ।**

(शैतान / देवदूत)

उत्तर : नीच कर्मो से मनुष्य शैतान ही बनता है ।

(52) **इस परिच्छेद को उचित शीर्षक दीजिए ?**

उत्तर : इस परिच्छेद के लिए उचित शीर्षक 'भलाई' है ।

- **निम्नानुसार पत्र लिखिए । [05]**

(53) **A-34, बालाजी रेसीडेन्सी, मेहसाणा निवासी प्रिंस पटेल --- सुरत निवासी अपने मित्र मित शाह को 'योग का महत्त्व' समझाते हुए पत्र लिखता है ।**

24,
अंकुर सोसायटी,
मेहसाणा ।
27 अक्तूबर 2021

प्रिय मित्र मित,

सप्रेम नमस्ते ।

कल ही तुम्हारे छोटेभाई के पत्र से तुम्हारी अस्वस्थता के समाचार मिले । तुम आए दिन बीमार हो जाते हो, तुम्हारी प्रथम सत्रांत परीक्षा भी निकट है । माताजी और पिताजी भी बहुत चिंतित होंगे ।

तुम्हारा शरीर कमज़ोर हो गया है, इसलिए तुम बार-बार बीमार हो जाते हो । तुम योग करना आरंभ कर दो । खेल-कूद में रुचि लो । तुम्हें यह ध्यान में रखना चाहिए कि सिर्फ अच्छा भोजन करने से ही अच्छा स्वास्थ्य नहीं पाया जा सकता, उसके साथ-साथ योगासन करना भी बहुत आवश्यक है । योग करने से भोजन का पाचन ठीक से होता है ।

शरीर मजबूत बनता है। आलस्य कभी पास नहीं फटकता । मन में उत्साह बना रहता है । स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही सारी सफलताओं का आधार है । तुम्हें सुबह-शाम टहेलने जाना चाहिए । मुझे विश्वास है कि तुम मेरी बात मानकर योगाभ्यास आरंभ कर दोगे ।

माताजी-पिताजी को मेरा प्रणाम; छोटे भाई को स्नेह याद ।

तुम्हारा मित्र
प्रिंस

- **रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर शीर्षक एवं बोध लिखिए । [05]**

(53) **दो मित्रों का वन मे जाना --- भालू का आना --- एक का पेड़ पर चढ़ जाना --- दूसरे का नीचे रह जाना --- मुसीबत देखकर नीचे लेट जाना --- भालू का नजदीक आना --- सूँघना --- मरा हुआ मानकर चला जाना --- पेड़ से उतरकर मित्र का पूछना 'भालू ने क्या कहा ?' - उत्तर, 'स्वार्थी मित्र से दूर रहो ।' - बोध ।**

कहानी : भागलपुर नामक गाँव में महेश और नरेश नाम के दो मित्र रहते थे । महेश भला था, मगर नरेश स्वार्थी था । एक दिन महेश और नरेश जंगल में घूमने गए । दोनों मित्र बातें करते हुए जा रहे थे । नरेश मित्रता की बातें कर रहा था ।

रास्ते में उन्होंने एक भालू को देखा । दोनों के होश उड़ गए । भालू उनकी ओर ही आ रहा था । नरेश अपने मित्र महेश की जरा भी चिंता न करते हुए पेड़ पर चढ़ गया । महेश डर गया । उसे पेड़ पर चढ़ना नहीं आता था । वो नरेश को पुकारने लगा । नरेश ने महेश की बाते अनसुनी की ।

जान बचाने के लिए महेश ने एक उपाय खोज निकाला । भालू को नज़दीक आते देख महेश जमीन पर साँस रोककर मुर्दे की तरह सो गया । भालू नजदीक आया और महेश के कान सूँघकर उसे मरा हुआ समझकर वह आगे बढ़ गया ।

भालू के चले जाने के बाद नरेश वृक्ष से नीचे उतरा और महेश के पास जाकर पूछने लगा, "क्यो भाई ! भालू ने तुम्हारे कान में क्या कहा ?" महेश ने बताया कि, "भालू ने कहा कि ऐसे स्वार्थी और कायर मित्र से दूर रहो ।"

बोध : स्वार्थी और कायर से मित्रता नहीं करनी चाहिए ।

- **किसी एक विषय पर करीब 150 शब्द में निबंध लिखिए । [07]**

(55) **मेरे प्रिय लेखक :**

प्रस्तावना --- लेखक का परिचय --- लेखक के व्यक्तित्व की झलक --- अनेक विषयों पर लेखक के विचार --- भाषा --- शैली --- प्रेरणा --- उपसंहार ।

निबंध : अलग-अलग भाषाओं के अनेक महान लेखक हुए हैं । सबकी अपनी-अपनी विशेषताएँ है । सब अपनी-अपनी भाषा में उत्तम कोटि का साहित्य निर्माण कर के कारण विश्व प्रसिद्ध हुए हैं । इन सभी लेखकों में मुझे सबसे अधिक प्रिय है - हिन्दी कथा साहित्य के उपन्यास सम्राट मुंशी प्रेमचंदजी । प्रेमचंदजी का जन्म उत्तरप्रदेश में वाराणसी के निकट लमही नाम गाँव में सन् 1880 में हुआ था । उनका बचपन और जवानी का समय काफी संघर्षमय था । प्रेमचंदजी का मूल नाम धनपतराय था । शिक्षा काल में ही उन्होंने अंग्रेजी के साथ-साथ उर्दू का अध्ययन किया था । प्रारंभ में वे कुछ वर्षो तक स्कूल में शिक्षक रहे, बाद में शिक्षा विभाग में सब डिप्टी इंस्पेक्टर रहे ! स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने नौकरी छोड़ दी और वे स्वतंत्र लेखन की और जुडे । प्रारंभ में वे उर्दू में 'नवाबराय' उपनाम से कहानियाँ लिखते थे ।

प्रेमचंदजी लोकजीवन के कथाकार हैं । किसानों, हरिजनों और अन्य दलितों के जीवन पर उन्होंने कलम चलाई । किसानों के दु:ख, उनके जीवन-संघर्ष, उन पर जमींदारो द्वारा होनेवाले अत्याचार आदि को उन्होंने स्वाभाविक ढंग से समाज के सामने रखा । इसके साथ ही उन्होंने भारतीय किसानों के अंध विश्वास, निरक्षरता, करुणा, प्रेम और सहानुभूति के भी वास्तविक चित्र प्रस्तुत किए । 'गोदान' भारतीय किसानों की एक करुण गाथा है ।

प्रेमचंद की कहानियाँ बड़ी सरल, सरस और मार्मिक है । 'कफ़न', 'बोध', 'ईदगाह', 'सुजान भगत', 'नमक का दारोगा', 'पंच परमेश्वर' आदि अनेक कहानियों में प्रेमचंदजी की स्वाभाविक और रोचक शैली के दर्शन होते हैं । 'रंगभूमि', 'सेवा सदन', 'निर्मला', 'गबन', 'कर्मभूमि', 'शतरंज के खिलाड़ी' आदि उपन्यासों ने प्रेमचंदजी को हिन्दी ही नहीं, भारतीय साहित्य में अमर बना दिया है ।

प्रेमचंदजी ने अपनी रचनाओं में अनूठा चरित्र-चित्रण किया हैं । कथोपकथन बहुत ही स्वाभाविक और सुंदर है । चलती-फिरती मुहावरेदार भाषा उनकी सबसे बड़ी विशेषता है । गांधीजी के विचारों का प्रेमचंदजी पर बड़ा भारी असर पड़ा है । सत्याग्रह और असहयोग आंदोलन ने उनकी रचनाओं की काफी प्रभावित किया है ।

प्रेमचंदजी के साहित्य में राष्ट्रीय जागरण का महान संदेश है, हमारे सामाजिक जीवन के आदर्शों का निरुपण है । देशप्रेम के आदर्शो की झलक है । गुलामी का विरोध और राष्ट्र को उन्नत बनाने की प्रेरणा है । उनकी कलम जाति-पाँति या ऊँच-नीच के भेदभाव तथा प्रांतीयता आदि सामाजिक बुराइयों को दूर करने की सदा कोशिश करती रही । साहित्य-सृजन द्वारा वे हिन्दू-मुस्लिम एकता के लिए हमेशा प्रयत्न करते रहे । इस प्रकार साहित्यकार के साथ ही साथ वे बहुत पड़े समाज-सुधारक भी थे । स्वतंत्रता आंदोलन के दिनों में उनकी कलम ने तलवार का काम किया ।

लोक जीवन के ऐसे महान ग्रंथकार और सच्चे साहित्यकार मेरे सबसे प्रिय लेखक है ।

(अथवा)

(55) **मेरा भारत महान :**

प्रस्तावना --- भारत का गौरवपूर्ण इतिहास --- प्राकृतिक सौंदर्य --- अमूल्य साहित्य --- भारत की रक्तहीन क्रांति --- युद्धों में विजय --- स्वातंत्र्योत्तर भारत की सिद्धियाँ --- भारत का भविष्य --- उपसंहार ।

निबंध :"ऊँची हुई मशाल हमारी, आगे कठीन डगर है, शत्रु तो हट गए पर, उसकी छायाओं का डर है ।"

जिसके स्वातंत्र्य संग्राम की गाथा संसार के इतिहासों में स्वर्णाक्षरों में लिखी गई है, ऐसा महान हमारा देश है । उत्तर में जहाँ हिमालय मुकुट की तरह शोभायमान है, तो दक्षिण में हिन्द महासागर इसके पट्ट-प्रक्षालन कर रहा है । पूर्व में बंगाल का उप सागर और पश्चिम में अरबसागर हैं । जिस देश में गंगा बहती है, वह भारत देश हे हमारा ।

हमारे देश की संस्कृति प्राचीनतम, भव्य और श्रेष्ठ है । संसार को आचार-विचार, व्यापार-व्यवहार, ज्ञान-विज्ञान आदि की शिक्षा-दीक्षा यहाँ से ही प्राप्त हुआ है । क्षमा, उदारता और करुणा की त्रिवेणी इसी देश में सबसे पहले कही है । संयम, त्याग, अहिंसा और विश्व बंधुत्व की भावना हमारे देश के आदर्श रहे हैं ।

हमारा देश कभी सांप्रदायिक या संकुचित नहीं रहा । इसलिए इस देश में अनेक जातियाँ और धर्म पलते हैं । यहाँ के जनजीवन में विभिन्नता के बावजूद एकता रही है । अनेक प्रांत होते हुए भी समस्त भारत एक राष्ट्र है । संपूर्ण देश की लगाम संघ-सरकार के हाथों में है । भारतीय संस्कृति एवं जीवन-दर्शन में अनन्य एकरूपता है । हमारा देश कृषिप्रधान होते हुए भी औद्योगिक और व्यापारिक दृष्टि से अच्छी तरक्की कर रहा है । मुंबई, दिल्ही, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरू, सुरत, अहमदाबाद आदि औद्योगिक केन्द्र हैं । उत्तर में केदारनाथ, पश्चिम में द्वारिकाधीश के प्राचीन मंदिर हमारी आस्था के केन्द्र हैं । केरल और कश्मीर का प्राकृतिक सौंदर्य विश्व प्रसिद्ध है ।

भगवान राम, कृष्ण और बुद्ध ने यही अवतार लिया है । कबीर, नानक, नरसिंह, मीरा, ज्ञानेश्वर, तुकाराम आदि भारत के महान संत थे । अशोक और चंद्रगुप्त, शिवाजी और राणाप्रताप जैसे नरवीर इसी देश में हुए थे । महात्मा गांधी, सरदार पटेल, वीर सुभाष तथा लालबहादुर शास्त्री जैसे नररत्नों ने भारत माता की कीर्ति को चार चाँद लगा दिया । सी.वी.रमन, जगदीशचंद्र जैसे विचारको के कारण भारत का मस्तक आज संसार में ऊँचा है । व्यास, वाल्मीकि, महाकवि कालिदास, टैगोर जैसे महाकवियों ने विश्व-प्रतिभाओं के बीच स्थान पाया है । भारत के वेदों की गणना संसार के श्रेष्ठ एवं प्राचीनत्तम साहित्य में होती है ।

अंग्रेजो ने 200 वर्ष तक गुलाम बनाए रखा, लेकिन वे भारतवासियों के स्वातंत्र्य प्रेम को दबा न सके । भारतवासियों ने अहिंसक, राज्यक्रांति से पूर्ण स्वातंत्र्य लेकर ही चैन की साँस ली । आज हमारे देश की गणना विश्व की छठ्ठी महासत्ता के रुप में होती है । उसकी नींव में डो. भाभा, डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. अब्दुल कलाम जैसे वैज्ञानिक हैं । हमारा देश विश्वशांति, मानवता का प्रहरी है । भारत का भव्यत्तम भूतकाल, गौरवपूर्ण है तो वर्तमान प्रगतिशील है । भारत का भविष्य उज्जवल है । हमारा देश आज विश्व गुरु के गौरवपूर्ण स्थान पर है ।

"जहाँ ड़ाल-ड़ाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा,
वह भारत देश है मेरा, वह भारत देश है मेरा ।"

(अथवा)

(55) **कुत्ते की आत्मकथा :**

प्रस्तावना --- परिचय --- जन्म और बचपन --- मालिक के घर --- सुखी जीवन --- बुढ़ापा --- उपेक्षा --- उपसंहार ।

निबंध : मैं एक कुत्ता हूँ । मेरा नाम मोती है । मैं गलियों में मारा-मारा फिरनेवाला एक कुत्ता हूँ । मुझ जैसे तुच्छ प्राणी की भला क्या कथा हो सकती है । लेकिन मैने भी दुनिया देखी है । मैंने अपने जीवन में बहुत सुख-दुःख सहे हैं । आज मुझे मानव समाज से कुछ शिकायत करनी है । मैं आपको अपनी व्यथा-कथा सुनाता हूँ ।

मेरी माँ एक किसान-परिवार की पालतू कुतिया थी । उसी किसान के घर मेरा जन्म हुआ है । हम पाँच-छः भाई-बहनों ने एक साथ जन्म लिया था । माँ ने बड़े प्यार से हमारा पालन-पोषण किया और अपने मीठे दूध तथा यहाँ-वहाँ के रोटी के टुकडों से हमे पुष्ट किया । जब मैंने चलना सीख लिया तो आसपास के बच्चे मुझे उठाकर अपने घर ले जाने लगे । वे कभी-कभी मुझे दूध पिलाते थे । मैं अपने भाई-बहनों में सबसे सुंदर और स्वस्थ था, इसलिए जल्द ही मैं सबका प्रियपात्र बन गया ।

एक दिन उस गाँव का एक व्यापारी वहाँ आया । यकायक उसकी दृष्टि मुझ पर पड़ी और पता नहीं

उसने मुझमें क्या विशेषता देखी कि जाते समय वह मुझे अपने साथ ले गया। वह दृश्य मैं जीवनभर नहीं भूल सकता। मुझे अलग होते देखकर मेरी माँ और भाई-बहन बहुत बेचैन हो गए।

उस व्यापारी के घर में बहुत से बच्चे थे। मेरे वहाँ पहुँचते ही सबने मुझे अपना दोस्त बना लिया। मालकिन ने मुझे अपनी गोद में बिठाया और पीठ पर हाथ फेरा। मेरा नाम 'मोती' रखा गया। बढ़िया खाना और दिनभर आराम, सबका लाड-प्यार ! जंजीर होते हुए भी मालिक के घर में रात में कुछ चोर घूस आए। उनके आते ही मुझे शंका हुई और में भौंकने लगा। एक चोर के पैर में तो मैंने अपने पैने दाँत गड़ा दिए। सब लोग भाग गए। देखा तो आंगन में गहनों को छोड़ कर नौ-दो ग्यारह हो गए। सबने मेरी बहुत तारीफ़ की।

किन्तु समय बितने के साथ-साथ मेरे उत्साह, शक्ति और रंग-रुप फीके पड़ते गए। धीरे-धीरे मैं मालिक के घर में सबकी उपेक्षा का पात्र बनता गया। एक दिन मालिक का पुत्र 'बुलडोग' जाति का एक नया कुत्ता ले आया। मैंने भौं-भौं करके अपना विरोध प्रकट किया, किन्तु डंडे मारकर मुझे, घर से बाहर निकाल दिया गया।

आज मैं यहाँ-वहाँ घूमकर अपनी शेष जिंदगी काट रहा हूँ। जाड़े की ठिठुरन ने मेरे जीवन को अधमरा बना दिया है। सोचता हूँ, क्या मेरे मालिक और चार-छः महीनें मुझे रोटी नहीं खिला सकते थे ? पर मनुष्यमात्र स्वार्थी प्राणी है। उसमें इतनी दया कहाँ कि वे मेरे दिल के दर्द को समझ पाए।

विभाग - A : गद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । [03]**

(1) **मनुष्य अंदर से कब तक अमीर था ?**

(A) विज्ञान की खोज नहीं हुई थी तब तक

(B) टी.वी. की खोज नहीं हुई थी तब तक

(C) टेलिफोन की खोज नहीं हुई थी तब तक

(D) पैसों की खोज नहीं हुई थी तब तक

(2) **सदानंद के कहने पर शादीराम ने पत्रिकाओं के चित्रों का क्या किया ?**

(A) बेच दिए ।

(B) अलबम बनाया

(C) बच्चों को बाँट दी

(D) दीवारों पर सजा दी

(3) **मनुष्य को अपनी निर्मित वस्तु से इतना ही प्यार और लगाव है, जितना....**

(A) अपने घर से है ।

(B) अपनी संतान से है ।

(C) अपने परिवार से है ।

(D) अपनी पत्नी से है ।

- **सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [03]**

(4) चोरी करना अच्छा नहीं है, परंतु आज की स्थिति बड़ी **लाचार** हो गई है । (आसान, लाचार)

(5) रामप्रसाद बिस्मिल के गुरु का नाम **श्री सोमदेव** था । (श्री रामदेव, श्री सोमदेव)

(6) परमाणुं में **अणु** नहीं होता है । (अणु, प्रोटोन)

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए । [03]**

(7) **सुधा कुलकर्णी ने साक्षात्कार में कहा कि.....**

(A) हमें महिलाओं को आगे बढ़ाना होगा ।

(B) हमें महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागृत करना होगा ।

(C) हमें कही से तो शुरुआत करनी होगी ।

वाक्य : **सुधा कुलकर्णी ने साक्षात्कार में कहा कि हमें कही से तो शुरुआत करनी होगी ।**

(8) **अंबिका रुष्ट थी, क्योंकि...**

(A) वहां राज कर्मचारी आए थे ।

(B) कालिदास हरिण-शावक को आस्तरण पर लिटानेवाला था ।

(C) पुत्री मल्लिका वर्षा में कालिदास के साथ थी ।

वाक्य : **अंबिका रुष्ट थी, क्योंकि पुत्री मल्लिका वर्षा में कालिदास के साथ थी ।**

(9) ईसाई पादरी के अनुसार....

(A) हम ज्यों के त्यों पड़े हुए हैं ।

(B) हम लोग अपने काम में गर्व नहीं लेते ।

(C) हम जिम्मेदारी नहीं समझते ।

वाक्य : **ईसाई पादरी के अनुसार, हम लोग अपने काम में गर्व नहीं लेते ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(10) **बूढ़ी काकी कैसे रोती थी ?**

उत्तर : बुढ़ी काकी गला फाड़-फाड़कर रोती थी ।

(11) **अमीर कैसे धन कमाता है ?**

उत्तर : लेखक मेहता के अनुसार अमीर दूसरों से उल्लू बनाकर धन कमाता है ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए । [02]**

(12) **हमारे देश में किस प्रकार जागृति आ सकती है ?**

उत्तर : हमारे देश के लोग अपने काम में गर्व नहीं लेते हैं । इसके अलावा वे अपनी जिम्मेदारी भी नहीं समझते हैं । यहां के लोग श्रम का महत्त्व नहीं पहचानते और स्वयं मेहनत करने से परहेज करते हैं । गुणी और जावकार लोगों में उदारता नहीं है । वे अपने विद्या दूसरों को बताना नहीं चाहते । यदि इन बुराईयों को दूर कर दिया जाए, तो हमारे देश में जागृति आ सकती है ।

(अथवा)

(12) **आज मनुष्य की वृत्ति और प्रवृत्ति दोनों ही भ्रष्ट क्यों हो गई है ?**

उत्तर : आधुनिक जीवन में धन जीवन को नियंत्रित करनेवाली शक्ति होने के कारण प्रत्येक व्यक्ति धनोपार्जन में व्यस्त है । गरीब अपनी जीविका चलाने के लिए तो अमीर अधिक अमीर बनने धन कमाने में जुटे हुए है । इसलिए आज मनुष्य की वृत्ति और प्रवृत्ति दोनो ही भ्रष्ट हो गई है ।

- **निम्नलिखित प्रश्न का चार-पांच वाक्य में उत्तर लिखिए । [03]**

(13) **कालिदास हरिण-शावक को क्यों बचाना चाहते थे ?**

उत्तर : कालिदास एक संवेदनशील व्यक्ति थे । उनके हृदय में प्राणियों के प्रति बहुत प्यार था । वे उसे पाश्चात्य भूमि के निवासी थे ? जहाँ लोग पशु-पक्षीयों को अपनों में से अर्थात् अपने मित्र मानते थे । कालिदास के क्षेत्र में हरिणों का आखेट अपराध माना जाता था । आहत हरिण-शावक को देखकर वे स्वयं आहत थे और उसे हर हालत में जीवित रखने का प्रयास कर रहे थे । उन्होंने राजपुरुष दन्तुल से पाश्चात्य भूमि की संपत्ति है। वह यह सोचकर भूल कर रहा है कि वे उसे उसे सौंप देंगे । इन शब्दों से प्राणियों के प्रति कालिदास के प्रगाढ़ प्रेम का पता चलता है । जिस व्यक्ति के मन में प्राणियों के प्रति इतना प्रेम हो, वह एक घायल हरिण-शावक की जान क्यों नहीं बचाना चाहेगा । मूल प्राणियों की रक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है । इसलिए कालिदास हरिण-शावक की जान बचाना चाहते थे ।

(अथवा)

(13) **सुधा के स्थान पर आप होते तो क्या करते ?**

उत्तर : आज की मोर्डन नारी 21वीं शताब्दी की नारी है । प्राचीन काल में महिलाओं को विभिन्न कारणों से शिक्षा और विकास के अवसर सुलभ नहीं थे । पुरुष प्रधान समाज के कारण नारी शिक्षा नहीं पा सकती थी । तब महिलाओं के लिए बहुत कम क्षेत्र उपलब्ध थे । इसलिए लोगों की धारणा बन गई थी कि महिलाएँ कुछ निश्चित कार्य ही कर सकती है । आज महिलाओं के लिए शिक्षा, तकनीक, राजनीति, व्यवसाय, विज्ञान आदि हर क्षेत्र खुले हैं । इसलिए सुधा के स्थान पर यदि मैं होती तो किसी महिला संगठन के संपर्क कर किसी चेनल पर बड़े पैमाने पर डिबेट आयोजित करती । सोश्यल मिडिया पर इस विज्ञापन को वाईरल करके स्त्री-पुरुष समानता के लिए समाज को जागृत करती । जिससे देश की सभी शिक्षित महिलाओं की अपने साथ होनेवाले भेदभाव की जानकारी होती और इस प्रकार के नियोक्ताओं की आँखे खुल जाती ।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए : [02]**

(14) ''खुश रहना केवल एक जरुरत नहीं, यह एक नैतिक उत्तरदायित्व भी है ।''

उत्तर : मौलाना अबुल कलाम आजाद का मत है कि मनुष्य को हर स्थिति में प्रसन्न रहना चाहिए । प्रसन्न रहने की कला सीख लेने पर अन्य किसी कला को सीखने की आवश्यक्ता नहीं होती । वे फ्रांसीसी लेखक आंद्री गीद के कथन का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि खुश

रहना मनुष्य की जरुरत ही नहीं,बल्कि यह उसका नैतिक उत्तरदायित्व है । हमारे सुख-दुःख की छूट दूसरों से भी लड़ाती है । इसलिए हमारा कर्तव्य है की न हम उदास हो और न दूसरों को उदास करें । हम खुश रहेंगे तो अन्य भी खुश रह सकते हैं । एक अच्छे समाज के लिए खुश रहना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

(अथवा)

(14) **''कविता आत्मा की कला है, संवेदना का सौंदर्य है ।''**

उत्तर : कविता मात्र शब्दों का समूह न होकर कवि के हृदय से शब्दों के रुप में निकली हुई सुंदर भावना होती है । कविता के माध्यम से कवि अपने मन में होनेवाले बोध को सुंदर ढंग से कागज पर उतारता है । कविता में उसकी भावना की छाप दिखाई देती है । कविता संवेदना का सौंदर्य है ।

विभाग -B : पद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : [03]**

(15) **प्रभु दीपक है तो भक्त .... है ।**

(A) तेल (B) प्रकाश
(C) बाती (D) अंधेरा

(16) **गोपी गले में............ माला पहनना चाहती है ।**

(A) वैजंती (B) सोने की
(C) मोतियों की **(D) गुंजे की**

(17) **किनके साथ बैठकर मीरा ने लोक-लाज खोई ?**

(A) भक्त (B) राणा
(C) साधु-संत **(D) दुर्जनों**

- **निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [03]**

(18) गंगा-यमुना नदियों का जल **ज्योति** से ग्रथित है । **(पवित्रता, ज्योति)**

(19) संकट में प्राण बचाने के लिए **शक्ति** सारी लगा देनी चाहिए । **(शक्ति, संपत्ति)**

(20) 'भारतवर्ष हमारा है ।' काव्य के कवि का उपनाम **नवीन** है । **(नवीन, दीनकर)**

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए : [02]**

(21) **ढोंग करने के लिए.....**

(A) ऊपरी दिखावा करना जरुरी है ।
(B) मन में पाप रखना जरुरी है ।
(C) मार-पीट करना जरुरी है ।

वाक्य : **ढोंग करने के लिए ऊपरी दिखावा करना जरुरी है।**

(22) **जनशक्ति की चेतना द्वारा भारत में...**

(A) नवचेतना लाना चाहिए ।
(B) परिवर्तन लाना चाहिए ।
(C) महाक्रांति लाना चाहिए ।

वाक्य : **जनशक्ति की चेतना द्वारा भारत में नवचेतना लाना चाहिए ।**

(23) **कश्मीर की भूमि पर जगह-जगह...**

(A) लैला-मजनू की प्रेम-कथाओं के दर्शन होते है ।
(B) हीर-रांझा की प्रेम-कथाओं के दर्शन होते है ।
(C) विल्हण की प्रेम-कथाओं के दर्शन होते हैं ।

वाक्य : **कश्मीर की भूमि पर जगह-जगह विल्हण की प्रेम-कथाओं के दर्शन होते हैं ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(24) **इन्द्र कहाँ से गुजर रहे थे ?**

उत्तर : इन्द्र काशी के समीप एक निर्जन वन से होकर गुजर रहे थे ।

(25) **'वजीर में दाने नहीं थे' का क्या अर्थ है ?**

उत्तर : 'वजीर में दाने नहीं थे' का अर्थ है, वजीर दानेदार (बुद्धिमान) नहीं था ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए ।** **[02]**

(26) **कवि सर्वेश्वर दयाल सकसेना ने भूख की दशा को सुंदर क्यों कहा है ?**

उत्तर : कवि सर्वेश्वर दयाल सकसेना ने अपने 'भूख' नामक काव्य में भूख को सुंदर कहा है, क्योंकि प्रत्येक प्राणी भूख की दिशा में लड़ने (संघर्ष करने) के लिए तैयार हो जाना है । बिना संघर्ष के किसी समस्या का हल नहीं निकलता । इसलिए जो प्राणी संघर्ष करता है, वह सुंदर दिखाई देता है ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्य में लिखिए :** **[03]**

(27) **कृष्ण की मुरली का ब्रज की स्त्रियों पर क्या प्रभाव पड़ा ?**

उत्तर : ब्रज की स्त्रियाँ कृष्ण की मुरली की धुन की दीवानी थी । श्रीकृष्ण ने अपनी मुरली की मनमोहक तान समे ब्रज की समस्त स्त्रियों पर कुछ ऐसा जादू-टोना-सा कर दिया था कि वे उनके हृदय में घर कर गए थे । हालत ऐसी हो गई थी कि किसी को किसी की परवाह नहीं थी । ब्रज के सारे स्त्री-पुरुष कृष्ण की मुरली की धुन पर मुग्ध हो गए थे ।

(अथवा)

(27) **भक्ति मार्ग में कौनसा संकट आया ? उससे मीरा कैसे पार हुई ?**

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थी । श्रीकृष्ण के प्रेम में डूबकर उन्होंने सारी दुनियादारी भूला दी थी । मीरा श्रीकृष्ण की भक्ति में दीवानी हो गई थी । यह सब राणाजी को पसंद नहीं आया । उन्होंने मीरां को जान से मारने के लिए जहर से भरा हुआ प्याला उनके पास भेजा । मीरां इससे विचलित नहीं हुई । उन्होंने यह जहर हँसते पी लिया । उस जहर का कोई दुष्प्रभाव मीरां पर नहीं पड़ा ।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए :** **[02]**

(28) **'वह वसुधैव बना कुटुंबकम् ।'**

उत्तर : सुमित्रानंद पंतजी ने 'जन्मभूमि' कविता में भारत की महत्ता का वर्णन किया है । आज चारों और युद्ध का माहोल है । पर भारत मानव जाति को युद्ध से छुटकारा दिलाने के लिए मंत्रोच्चार द्वारा विश्व में शांति का प्रचार में लगा है । वह पृथ्वी पर रहनेवाले सभी लोगों को परिवार की तरह मिल-झुलकर रहने का सीख और सुझाव दे रहा है ।

(अथवा)

(28) **''गरज उठे बयालिस कोटिजन, ... हिन्दुस्तान हमारा है ।''**

उत्तर : कवि बालकृष्ण शर्मा 'भारत वर्ष हमारा है' कविता में हमारे देश को प्राचीनत्तम और महान बताया है । कवि कहते हैं कि भारतवर्ष की समूची ४२ करोड़ जनता एक स्वर में 'भारतवर्ष हमारा है, यह हिन्दुस्तान हमारा है' का हुंकार भर रही है । वे कहते हैं कि देशवासियों के ये उत्साहपूर्ण वचन सुनकर हमारे दुश्मनों के दिल दहल उठे हैं । दुश्मनों के लिए हमारी आँखो में आग के शोले भड़क रहे हैं । उनका सामना करने की किसी में हिम्मत नहीं है ।

विभाग - C : व्याकरण

- **निम्नलिखित कहावत का अर्थ स्पष्ट कीजिए :** **[01]**

(29) आँख के अंधे, नाम नयन सुख ।

उत्तर : गुण के विरुद्ध नाम होना ।

- **निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए :** **[01]**

(30) मन को लुभाने वाली **: हृदयहारिणी**

- **निम्नलिखित संधि को छोडिए :** **[01]**

(31) दुर्लभ **: दुस् +लभ**

- **निम्नलिखित संधि को जोडिए : [01]**

(32) स+अष्ट+अंग : **साष्टांग**

- **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [02]**

(33) कलेजा पसीजना : **दया आना ।**

वाक्य :**बूढ़ी काकी को जूठी पतलों से पूडियों के टुकड़े खाती हुई देखकर रुपा का कलेजा पसीज गया ।**

- **निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए : [02]**

(34) दासी : **स्वामिनी**

(35) प्रतिपक्षी : **स्वपक्षी**

- **निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए : [02]**

(36) मज़हब : **धर्म**

(37) आखेट : **शिकार**

- **निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(38) चुनना : **चुनाव**

(39) खिलाफ़ : **खिलाफ़त**

- **निम्नलिखित शब्दों की कर्तृवाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(40) दर्शन : **दार्शनिक**

(41) धोखा : **धोखेबाज**

- **निम्नलिखित शब्दों की विशेषण संज्ञा लिखिए: [02]**

(42) वर्णन : **वर्णनीय**

(43) पृथ्वी : **पार्थिव**

- **निम्नलिखित समास को पहचानिए : [02]**

(44) चन्द्रमौलि : **बहुव्रीहि समास**

(45) विद्यालय : **सम्प्रदाय तत्पुरुष समास**

विभाग -D : लेखन

- **निम्नलिखित विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : [03]**

(46) **डी.टी.पी. :**

उत्तर : D.T.P अन्य क्षेत्रों की तरह मुद्रण एवं प्रकाशन जगत में भी क्रान्ति हो गई है । डी.टी.पी. (Desk Top Publishing) के आविष्कार के साथ अप कम्पोजिंग का सारा कार्य एक मेज पर करना मुमकिन हो गया है । पर्सनल कम्प्यूटर पर विशेष प्रकार के सोफ्टवेयर की मदद से डिस्क-कार्ड लगाकर या प्रकाशक सोफ्टवेयर के प्रयोग से टंकित सामग्री को विभिन्न पृष्ठो में विभाजित करना सरल हो गया है । वर्तनी जाँच (Spell check) की मदद से टंकित सामग्री संशोधित की जा सकती है । सामान्य कम्प्यूटरों के साथ उलब्ध डॉट-मेट्रिक प्रिन्टर (बिन्दु-मुद्रक) पर बढ़िया किस्म की छपाई नहीं होती । इसलिए लेजर प्रिन्ट का प्रयोग किया जाता है । कलर प्रिन्ट की मदद से रंगीन छपाई भी संभव हो चुकी है ।

(अथवा)

(46) **आकाशवाणी :**

उत्तर : आकाशवाणी भारत के सरकारी रेडियो प्रसार सेवा का नाम है । आकाश से सुनाई जानेवाली वाणी, जो विशेष यंत्रो द्वारा ध्वनि तरंगो के माध्यम से कार्यक्रम के रुप में प्रसारित की जाती है । रेडियो यंत्र द्वारा उसकी तरंग लंबाई को पकड़कर सुनी जाती है ।

सन 1901 में मास्कोनी नामक वैज्ञानिक ने रेडियो का आविष्कार किया था । उसकी सहायता से देश-विदेश में होनेवाले कार्यक्रम सुन सकते हैं । ऑल इन्डिया रेडियो, बी.बी.सी. लंदन जैसी संस्थाएँ समाचार, हवामान तथा मनोरंजन के कार्यक्रमों का प्रसारण करती हैं । रेडियो फ्रीखेंसी के माध्यम से हम उसे सुन सकते हैं । अब रेडियो द्वारा हम 24 घंटे गीत, समाचार तथा अन्य कार्यक्रम एवं विज्ञापन सुन सकते हैं ।

● **निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [06]**

स्त्रियों की शिक्षा का स्वरुप पुरुषो की शिक्षा के स्वरुप से अलग रहना चाहिए । कताई, बुनाई, सिलाई, कटाई आदि के शिक्षा तो उन्हें ही दी जाए, किंतु इसी के साथ उन्हें कुटीर उद्योगों में भी निपुण बनाया जाना चाहिए, जिससे कि बुरा समय आने पर वे किसी की मोहताज ना रहें । स्त्रियों को शिक्षित करने से हमारा घर स्वर्ग बन सकता है । नासमझ और फूहड़ औरतों से परिवार के परिवार तबाह हो जाते हैं । जिस घर की स्त्रियां सुशिक्षित और सुसंस्कृत होती हैं, वे घर जिंदा विश्वविद्यालय होते हैं । शिक्षा का अर्थ किताब-ज्ञान ही नहीं है और न ही अक्षरज्ञान है, वह तो जीने की कला है ।

प्रश्न :

(47) **स्त्रियों को किस प्रकार की शिक्षा देनी चाहिए ?**

उत्तर : स्त्रियों को कुटीर उद्योगों की शिक्षा देनी चाहिए ।

(48) **स्त्रियाँ शिक्षित बनने से हमारा घर स्वर्ग बन सकता है।**

उत्तर : स्त्रियाँ शिक्षित बनने से हमारा घर स्वर्ग बन सकता है।

(49) **शिक्षा का अर्थ क्या है ?**

उत्तर : शिक्षा का अर्थ है – जीने की कला ।

(50) **बुरे समय में स्त्रियाँ स्वावलंबी कैसे रह सकती है ?**

उत्तर : कताई, बुनाई, सिलाई, कटाई के साथ-साथ स्त्रियों को कुटिर उद्योगों में भी कुशलता प्राप्त होगी तो स्त्रियाँ स्वावलम्बी रह सकती है ।

(51) **जीने की कला किसे कहा गया है ?**

उत्तर : शिक्षा को जीने की कला कहा गया है ?

(52) **इस परिच्छेद को उचित शीर्षक दीजिए ?**

उत्तर : इस परिच्छेद के लिए उचित शीर्षक 'स्त्रीशिक्षा' है ।

● **निम्नानुसार पत्र लिखिए । [05]**

(53) **आनंद भवन, स्टेशन रोड़, बनारस 221001 से कल्याणी अपनी सखी अनुराधा को दहेज-प्रथा की बुराइयाँ समझाते हुए पत्र लिखती है ।**

आनंद भवन, स्टेशन रोड,
बनारस-221 001
19 नवम्बर 2021

प्रिय सखी अनुराधा,

सप्रेम नमस्ते ।

कल ही तुम्हारा पत्र मिला । यह जानकर खुशी हुई कि तुम्हारी दीदी के ससुरालवाले बिना दहेज के शादी करवाने राजी हो गए है । तुम्हारी दीदी खुशनसीब है कि ऐसा ससुराल मिला है । तुम्हारा निमंत्रण में स्वीकार करती हूँ और तुम्हारी दीदी की शादी में जरुर आऊँगी ॥

अनुराधा, तुम तो जानती ही हो की दहेजरुपी दानव ने कितनी ही कन्याओं का भक्षण किया है । दहेज लेना और दहेज देना अपराध है । शादी के इस काले सरोबार में दुल्हा बिकता है । पढ़े-लिखें युवान के माँ-बाप ही उसे बेचते हैं । शादी के समय दहेज न मिलने पर ऐसी कन्याओं के साथ ससुराल में पशु से भी बदतर व्यवहार होता है । पिता की आर्थिक स्थिति को जानती हुई बेटी, चुपचाप अत्याचार सहन कर लेती है । अंत में स्थिति असह्य बनने पर आत्महत्या कर लेती है ।

शिक्षित समाज में दहेज प्रथा कलंक है । माँ-बाप को अपनी बेटी को शिक्षित बनाकर आत्मनिर्भर बनाना चाहिए । बेटा-बेटी को समान मानकर दहेज लेना भी नहीं चाहिए और देना भी नहीं चाहिए ।

चलो, सब ठीक ही हुआ । अंत भले का भला । तुम तो शादी की तैयारियों मे व्यस्त होगी ।

तुम्हारे माता-पिता और दीदी को मेरा प्रणाम । छोटे भैया को मेरी स्नेह याद ।

तुम्हारी सखी
कल्याणी

- **रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर शीर्षक एवं बोध लिखिए । [05]**

(54) **एक राजा --- नई और सुंददर वस्तुएँ एकत्र करने का शौक --- देश-विदेश के रंगीन, मोहक, मिट्टी के फूलदान --- एक नौकर के हाथों एक फूलदान का टूट जाना --- नौकर को मौत की सजा --- एक बुद्धिमान और वृद्ध साधु का फूलदान को असली स्थिति में लाने का दावा --- बचे हुए सभी फूलदान को तोड़ डालना --- साधु का उत्तर, 'मैंने उन्नीस जिंदगी बचा ली ।' सही बात राजा की समझ में आना --- बोध ।**

कहानी : एक राजा था । उसे नई-नई और सुंदर वस्तुएँ एकत्रित करने का पागल शौक था । अपनी सुंदर वस्तुओं को राजा जान से भी अधिक चाहता था । एक दिन राजाने एक विदेशी बिसाती से 20 फूलदान खरीदें । फूलदान रंगीन, मोहक और मिट्टी से बने हुए थे । राजा ने अपनी दरबार में नौकर को बुलाकर उन सभी फूलदान को सुरक्षित ले जाने की आज्ञा दी ।

नौकर फूलदान उठाकर ले जा रहा था, तभी उसके हाथ से एक फूलदान गिर गया । मिट्टी का फूलदान मिट्टी में मिल गया । राजा को यह देखकर बड़ा क्रोध आया और उसने उस नौकर को मोत की सजा सुना दी । ठीक उसी समय एक वृद्ध और बुद्धिमान साधु ने राज दरबार में प्रवेश किया । सारी घटना जानकर उसने राजा को कहा कि मैं टूटे हुए फूलदान को पूर्ववत बना सकता हूँ । राजा ने फूलदान को असली स्थिति में लाने पर नौकर को जीवनदान और साधु को इनाम देने की घोषणा की ।

बुद्धिमान साधु ने बचे हुए 19 फूलदान को उठाया और एक के बाद एक करके सारे फूलदान तोड़ दिए । अपने सारे फूलदानों को टूटे हुए देखकर राजा अत्यंत क्रोधित हुआ और साधु को प्रश्न किया, 'ऐसा आपने क्यों किया ?' तब साधु ने हँसते हुए उत्तर दिया कि, 'मैंने 19 जिंदगी बचा ली ।' साधु की बात राजा की समज में नहीं आई तो साधुने बताया कि 'ये मिट्टी के फूलदान है, किसी-न-किसी दिन, किसी भी नौकर के हाथ से गिरेगा और टूट जाएगा । आप उस नौकरों को मृत्युदंड देंगे इससे तो अच्छा है के आप मुझे अकेले को ही मृत्युदंद देदे । बाकी 19 नोकरों को तो जीवदान मिलेगा ।' साधु की ऐसी मानवतापूर्ण बात अब राजा की समझ में आई और नौकरो को माफी दे दी । इतना ही नहीं साधु के चरणों में नतमस्तक होकर राजा ने कहा, 'आपने तो मेरी आँखें खोल दी, मुझे क्षमा करो ।'

बोध : नश्वर वस्तुओं से मनुष्य जीवन अनमोल है ।

- **किसी एक विषय पर करीब 150 शब्द में निबंध लिखिए । [07]**

(55) **मेरे प्रिय लेखक :**

प्रस्तावना --- परीक्षा का भूत --- प्रश्नपत्र की कल्पना --- अभ्यास की पुनरावृत्ति --- विद्यार्थियों के दृश्य --- महत्त्व --- उपसंहार ।

निबंध :**''हो गई पीर पर्वत-सी, पिघलनी चाहिए;
इस हिमालय से कोई गंगा निकलनी चाहिए ।''**

परीक्षा इतनी डरावनी क्यों होती है ? अभी तो सभी के मन पर परीक्षा का भूत सवार है । अभी तो एक घंटे की देर है, पर सारे छात्र भयभीत है ।

परीक्षा शुरु होगी तब सबसे पहले प्रश्नपत्र बाँटा जाएगा । वैसे तो सफेद कागज पर होता है, पर उसके काले अक्षर डरावने होते है । प्रश्नपत्र पढ़कर ही पसीना छूट जाएगा । हमने जो पढ़ा है, हमे जो अपेक्षित है, वे प्रश्न होगा या नहीं ?

सारे अभ्यासक्रम की दो बार पुनरावृत्ति कर चुका हूँ, पर कुछ भी याद नहीं रहता । मन में प्रश्न होता है कि मैं जो पढ़ रहा हूँ वह निरर्थक तो नहीं जाएगा न? बार-बार एक ही प्रश्न के उत्तर पढ़ते-पढ़ते ऊब चुका हूँ । पर क्या करुं ? पढ़ना तो पड़ता है ।

सभी छात्र किताब में मुँह छिपाकर बैठे हैं । किसी का चहेरा जरा-सा दिखाता है, पर उस पर नूर नहीं है । ना कोई हँसता है ना कोई बातें या मजाक मस्ती करता है । आज ही के दिन सभी गंभीर मुखमुद्रा में हैं ।

परीक्षा जरुरी है, तो पढ़ाई भी इतनी ही महत्त्वपूर्ण है । यही महत्त्वपूर्ण समय है, कुछ रट ले । पूरा साल मोज-मस्ती की है । अब में मोज-मस्ती महँगी पड़ रही है । समय भी अब कम रह गया है, क्या करें । ऐसे तनावपूर्ण माहोल में कोई पढ़े तो भी कैसे पढ़े ?

ये परीक्षा क्यों होती है ? घर में सभी का रक्तचाप बढानेवाली परीक्षा पद्धति बदलने की जरुरत है । पूरे साल पढ़ाई की और दो-तीन घंटे में सबकुछ याद करके लिखना है । समय तेजी से गुजर रहा है और पढ़ाई में मन नहीं लगता । क्या करु ? क्या बिना परीक्षा लिए उत्तीर्ण नहीं हो सकते ? अब तो आधा घंटा ही शेष बचा है । उसके बाद काले अक्षरोंवाला प्रश्नपत्र हमारे सामने होगा । चलो, थोड़ा तो पढ़ ही लूँ, ताकि याद में अफसोस न हो कि मैंने पढ़ा ही नहीं छोड़ दिया था ।

सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं,
मेरी कोशिश है कि यह सूरत बदलनी चाहिए

। और जुडे । प्रारंभ में वे उर्दू में 'नवाबराय' उपनाम से कहानियाँ लिखते थे ।

(अथवा)

(55) **हमारे राष्ट्रीय त्योहारों का महत्त्व :**

प्रस्तावना --- राष्ट्रीय त्योहारों का महत्त्व --- राष्ट्रीय की एकता और राष्ट्रप्रेम के प्रतीक --- राष्ट्रीय घटनाओं का स्मारक --- राष्ट्रीय पुरुषों के संदेशवाहक --- उपसंहार ।

निबंध : "दे दी हमें आजादी बिना खड्ग, बिना ढाल, साबरमती के संत तूने कर दिया कमाल ।"

15 अगस्त, 26 जनवरी, गांधी जयंती, शहीददिन आदि हमारे राष्ट्रीय त्योहार माने जाते हैं । राष्ट्रीय त्योहारों का भी हमारे लिए उतने ही महत्त्वपूर्ण है, जितने हमारे सामाजिक और धार्मिक त्योहार है । जितनी धूमधाम और उत्साहपूर्ण माहोल में हम धार्मिक-सामाजिक त्योहार मनाते है उतने ही नहीं, उससे भी दूगुना उत्साह से राष्ट्रीय त्योहार मनाने चाहिए ।

राष्ट्रीय त्योहार सिर्फ छुट्टी का ही दिन नहीं है, किन्तु राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाने का अवसर है । राष्ट्रीय त्योहार उनके प्रतीक है । धार्मिक त्योहार केवल संबंधित धर्म का त्योहार है । धार्मिक त्योहार पूरे देश में नहीं मनाया जाता । राष्ट्रीय त्योहार पूरे राष्ट्र का त्योहार है । उसमें सभी धर्मो के अनुयायी भेदभाव भूलकर शामिल हो सकते हैं । देशभक्ति को जागृत करने का यह अनोखा अवसर है। राष्ट्रीय त्योहार राष्ट्रीय घटनाओं का स्मरण दिलाता है । देश की आजादी का संघर्ष और बलिदानों की गाथा का इतिहास जीवंत हो उठता है । हमारे देश में ऐसे कई स्मारक बने हैं, जो राष्ट्रीय घटनाओं का स्मरण कराते है । जैसे साबरमती आश्रम, दांडी पथ ।

राष्ट्रीय त्योहार हमारे महान राष्ट्रपुरुषों का संदेशवाहक बनकर हमारे सामने आते हैं । उन महात्माओं का जीवन संदेश हमें सदा प्रेरणा देता रहता है । उन महात्माओं के राष्ट्र के लिए जो संघर्ष किया है, कुरबानियाँ दी है, उनके आदर्श पर चलने की प्रेरणा भी राष्ट्रीय त्योहारों से ही प्राप्त होती है ।

15 अगस्त, 26 जनवरी, 2 अक्टुबर आदि किसी खास धर्म-जाति-संप्रदाय-प्रदेश-भाषा का त्योहार न होकर राष्ट्रीय एकता और अखंडितता के त्योहार है । सभी भेदभावों को भूलकर उत्साह से मनाना हमारा कर्तव्य है । यही तो हमारे महापुरुषों को श्रद्धांजलि है । आगे चलकर हमें भी राष्ट्र के विकास के लिए संघर्ष करना है, बलिदान देने हैं ।

ऊँची हुई मशाल हमारी आगे कठीन डगर है;
शत्रु तो हट गए, उसकी छायाओं का अभी डर है ॥

(अथवा)

(55) **पुरुषार्थ ही प्रारब्ध है :**

प्रस्तावना --- अर्थ --- महत्त्व --- पुरुषार्थ रहित जीवन --- पुरुषार्थ और भाग्य --- उदाहरण --- उपसंहार ।

निबंध : **''उद्यमेन सिद्धयन्ति कार्याणि, न मनोरथैः ।**
सुत सिहस्य मुखेन न प्रविशन्ति मृगाः ॥''

पुरुषार्थ के बिना प्रारब्ध असंभव है । नसीब में लिखा हुआ प्राप्त करे के लिए भी पुरुषार्थ की आवश्यकता होती है, अर्थात् पुरुषार्थ का ही दूसरा नाम प्रारब्ध है ।

अपना अस्तित्त्व तभी सार्थक होता है, जब हम पुरुषार्थ करते है । पुरुषार्थ सभी प्राणियों के लिए अनिवार्य है । चींटी से लेकर हाथी तक सभी जीव जीवनभर पुरुषार्थ करते रहते है । बिना पुरुषार्थ के जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है ।

''आलस्य कुतो विद्या, अविद्या कुतो धनम्, अधनम् कुतो मित्रम् ।'' इस श्लोक के अनुसार आलस्य सभी दूषणों की जड़ है । 'कल करे सो आज कर, आज करे सो अब कर' इस पंक्ति के अनुसार हमें प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए । पेट तो कुत्ता भी भर लेता है । आलसी पुरुषार्थ विहिन मनुष्य का समाज में मान-सन्मान नहीं होता ।

कई लोग भाग्य के भरोसे बैठे रहते है । **नसीब में जो होगा वही होगा ।** एसे नसीबवादियों ने जीवन में प्रगति नहीं की । नसीब उसका ही साथ देता है जो खुद का साथ देता है ।

जंगल के राजा शेर को भी भूख मिटाने के लिए कई दिनों तक इधर-उधर भटकना पड़ता है । पशु-पक्षियों को भी पेट भरने के लिए भटकना पड़ता है ।

'अपना हाथ जगन्नाथ' या **'पुरुषार्थ ही पारसमणी है ।'** - ये कथन हमें संघर्ष करने की प्रेरणा देते है । जीवन का दूसरा नाम ही संघर्ष है । बिना हिलाए-दुलाए पंखे से पवन भी प्राप्त नहीं होता है । परिश्रम ही प्रकृति का संदेश है । स्व-विकास, समाज विकास, राष्ट्रविकास के लिए हमे परिश्रम करना चाहिए ।

'उठ जाह मुसाफिर भोर भई, अब रैन कहाँ तू सोवत है ।

जो जागत है वह पावत है, जो सोवत है वह खोवत है ।'

विभाग - A : गद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए । [03]**

(1) **अलबम के पाँचसो रुपये किसे मिले ?**

(A) पंडित वंशीधर को

(B) **पंडित शादीराम को**

(C) पंडित अलोपीदिन को

(D) पंडित मदनमोहनजी को

(2) **"परमात्मा को प्रार्थना कर दो कि वे मेरा अपराध क्षमा कर दे ।" यह वाक्य कौन कहता है ?**

(A) बूढ़ी काकी

(B) लाड़ली

(C) रुपा

(D) बुद्धिराम

(3) **हरिण-शावक इनमें से किसके बाण से घायल हुआ था ?**

(A) कालिदास

(B) मल्लिका

(C) दन्तुल

(D) सैनिक

- **सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । [03]**

(4) टेल्को कंपनी का विज्ञापन **इंजीनियर** पद के लिए था। **(डॉक्टर, इंजीनियर)**

(5) बिस्मिल **धर्म विरुद्ध** वस्तु का स्वीकार नहीं करते थे । **(धर्म विरुद्ध, देश विरुद्ध)**

(6) नंदन के अनुसार का **बहस** अंत नहीं था । **(विवाद, बहस)**

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए । [03]**

(7) **अलबम भेजने के लिए....**

(A) कलकत्ते के मारवाडी सेठ ने पत्र लिखा था ।

(B) बिहार के मारवाडी सेठ ने पत्र लिखा था ।

(C) दिल्ली के सेठ ने पत्र लिखा था ।

वाक्य : **अलबम भेजने के लिए कलकत्ते के मारवाडी सेठ ने पत्र लिखा था ।**

(8) **डंकन स्कोटलैंड में रहेवाले एक....**

(A) गरीब बहन का भाई था ।

(B) गरीब बुनकर का पुत्र था ।

(C) गरीब मजदूर का बेटा था ।

वाक्य : **डंकन स्कोटलैंड में रहेवाले एक गरीब बुनकर का पुत्र था ।**

(9) थोड़ी पूडियों ने काकी की क्षुधा और इच्छा को और...

(A) प्रताडित कर दिया था ।

(B) उत्तेजित कर दिया था ।

(C) शांत कर दिया था ।

वाक्य : **थोड़ी पूडियों ने काकी की क्षुधा और इच्छा को और उत्तेजित कर दिया था ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(10) **कालिदास हरिण-शावक को कहाँ ले गये ?**

उत्तर : कालिदास हरिण-शावक को मल्लिका के घर ले गये।

(11) **सुधामूर्ति महिलाओं की सफलता पर क्या कह उठी ?**

उत्तर : सुधामूर्ति महिलाओं की सफलता पर कह उठी कि उनका मार्ग कठिन अवश्य है, किंतु उस पर उन्हें चलना जरूरी है ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए । [02]**

(12) **हमारे देश में किस प्रकार जागृति आ सकती है ?**

उत्तर : हमारे देश के लोग अपने काम में गर्व नहीं ले ते हैं । इसके अलावा वे अपनी जिम्मेदारी भी नहीं समझते । यहाँ के लोग श्रम का महत्त्व नहीं पहचानते और स्वयं महेनत करने से परहेज रखते हैं । गुणी और जानकार लोगों में उदारता नहीं है । वे अपनी विद्या दूसरों को बताना नहीं चाहते । यदि इन बुराईयों को दूर कर दिया जाए, तो हमारे देश में जागृति आ सकती है ।

(अथवा)

(12) **प्रसन्न रहने की कला क्या है ?**

उत्तर : जीवन का उद्देश्य आनंद प्राप्त करना है । इसके लिए प्रसन्न रहना जरुरी है । खिले हुए सुंदर फूल, बहते हुए झरने, गाते हुए पंछी, पेड़ों का नृत्य, टिमटिमाते तारें, चाँद का हँसता चेहरा और चमकता सूरज आदि को देखकर हम प्रसन्न होते हैं । प्रसन्न रहने के लिए इन सबका निरीक्षण करना चाहिए ।

- **निम्नलिखित प्रश्न का चार-पांच वाक्य में उत्तर लिखिए । [03]**

(13) **ऊर्जा के बारे में संक्षेप में बताइए ।**

उत्तर : ऊर्जा का अर्थ है कार्य करने की क्षमता । ऊर्जा कई प्रकार की होती है । ऊर्जा की विशेषता यह है कि उसे हम उत्पन्न नहीं कर सकते । इसी प्रकार ऊर्जा कभी नष्ट भी नहीं की जा सकती, पर आवश्यकता अनुसार ऊर्जा को दूसरा रुप दिया जा सकता है । यानि उसका स्वरुप परिवर्तित किया जा सकता है । जैसे विद्युत ऊर्जा में परिवर्तित किया जा सकता है ।

(अथवा)

(13) **अविनाश पथराव का विरोध क्यों करता है ?**

उत्तर : अविनाश एक समझदार युवक है । वह नियम अनुसार काम करने में विश्वास करता है । वह तोड़-फोड़ में विश्वास नहीं रखता । अविनाश को पंचायत भवन से लगाव है । इसकी नींव तैयार होने के समय से वह उससे जुड़ा रहा है । उसने मकान की रचना में हाथ बँटाया था । इसलिए अविनाश मकान पर पथराव का विरोध करता है ।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए । [02]**

(14) **''मनुष्य यदि उदार बनता है, तो देवदूत यदि नीच बनता है तो शेतान''**

उत्तर : प्रत्येक मनुष्य में अच्छाई और बुराई दोनों प्रवृत्तियाँ होती है । यह व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह इन दोनों में से किसे अपनाए । दानशीलता और दूसरों की भलाई करने से बड़ा और कोई काम नहीं होता । भलाई करनेवाले व्यक्ति की सभी प्रशंसा करते है, जबकि बुराई किसी को पसंद नहीं आती । बुराई से चस्ति अपार धन-संपत्ति क्यों न अर्जित कर ले, पर समाज में उसे अच्छे व्यक्ति के रुप में मान्यता कभी नहीं मिलती है । बुरे कार्यो से अर्जित धन में शैतानियत की झलक मिलती है । इस तरह नीच कर्म से मनुष्य शैतान ही बनता है, जबकि अपने सद्कर्मो से मनुष्य को देवदूत के रुप में प्रतिष्ठा मिलती है ।

(अथवा)

(14) **''कविता आत्मा की कला है, संवेदना का सौंदर्य है ।''**

उत्तर : कविता मात्र शब्दों का समूह न होकर कवि के हृदय से शब्दों के रुप में निकली हुई सुंदर भावना होती है । कविता के माध्यम से कवि अपने मन में होनेवाले बोध को सुंदर ढंग से कागज पर उतारता है । कविता में उसकी भावना की छाप दिखाई देती है । कविता संवेदना का सौंदर्य है, मात्र शब्दों का समूह नहीं ।

विभाग -B : पद्य

- **निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर दीजिए : [03]**

(15) **प्रभु दीपक है तो भक्त .... है ।**

(A) तेल (B) प्रकाश

(C) बाती (D) अंधेरा

(16) **यमुना के किनारे कौन-सा वृक्ष है ?**

(A) कदंब (B) चंदन

(C) पीपल (D) बरगद

(17) **मीरा की सास मीरा को क्या कहती है**

(A) दासी (B) कुलनाशिनी

(C) कुलवर्धिनी (D) जोगन

- **निम्नलिखित में से सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : [03]**

(18) साधु अपना पाप भरा घड़ा **काशी** आकर फोड़ेगा ।
(वाराणसी, काशी)

(19) कश्मीर में **विल्हण** की प्रेम कथाएँ गाई जाती है ।
(लैला-मझनू, विल्हण)

(20) **लोटा** मन का भारी तन का छोटा है ।**(मोटा, लोटा)**

- **निम्नलिखित वाक्यों में से सही वाक्यांश चुनकर पूरा वाक्य फिर से लिखिए : [02]**

(21) **भूख से लड़ने जो खड़ा होता है.....**

(A) वह कमजोर दिखता है ।

(B) वह सुंदर दिखता है ।

(C) वह नादान दिखता है ।

वाक्य :**भूख से लड़ने जो खड़ा होता है वह सुंदर दिखता है ।**

(22) **पशु योनि में जन्म मिलने पर कवि...**

(A) नंदजी की गाय बनना चाहते हैं ।

(B) नंदजी की गायों के बीच रहकर चरना चाहते हैं ।

(C) गोकुल में चरना चाहते हैं ।

वाक्य :**पशु योनि में जन्म मिलने पर कवि नंदजी की गायों के बीच रहकर चरना चाहते हैं ।**

(23) **मीराबाई ने अपने सद्‌गुरु की कृपा से....**

(A) बहुत बड़ा महल पाया ।

(B) राम रतन धन पाया ।

(C) लोक-लाज खोई ।

वाक्य :**मीराबाई ने अपने सद्‌गुरु की कृपा से राम रतन धन पाया ।**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए । [02]**

(24) **'जन्मभूमि' काव्य में भारत की किन नारियों की बात बताई गई है ?**

उत्तर : 'जन्मभूमि' काव्य में सावित्री और राधा जैसी महान नारियों की एवं तपस्विनी अहल्या की बात बताई गई है ।

(25) **कुत्ते और खरहे की दौड़ कब तक चली ।**

उत्तर : कुत्ते और खरहे के बीच दौड़ चार मिनट चक चली ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्य में लिखिए : [02]**

(26) **नवसर्जन के स्वप्न कबसे जागे ?**

उत्तर : जिस दिन सबसे पहले देश के नवनिर्माण की अनेक कल्पनाएँ हमारे मन में उठी, देश-काल के दो-दो विशाल और सुंदर वितानों की रचना हुई । जिस दिन आकाश से असंख्य तारे छिटके और सूरज-तारे अस्तित्व में आए, उसी समय से नवसर्जन के स्वर जागे थे ।

(26) **सुखे पेड़ पर तोते को देखकर इन्द्र को क्यों आश्चर्य हुआ ?**

उत्तर : हरे भरे छायादार वृक्षवाले विशाल और सुंदर वन में एक पक्षी हरे-भरे वृक्ष पर बसना चाहेगा । फिर भी तोता उन हरे-भरे पेड़ो पर न रहकर एक सुखे पेड़ के

खोखले में रहता था । यह देखकर इन्द्र को आश्चर्य हुआ ।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्य में लिखिए : [03]**

(27) **ढोल और साजन के बारे में कवि ने क्या कहा है ?**

उत्तर : शादी के समय ढोल और साजन दोनों की जरुरत होती है । ढोल से मधुर स्वर निकलते हैं और साजन से सजनी का विवाह होता है । ढोल की जगह कोई दूसरा वाद्य उपयोग में नहीं आता । शादी भी और किसी से नहीं, साजन से ही होती है । ढोल के स्वर भी मीठे- होते है और साजन की वाणी भी मीठी लगती हैं ।

(अथवा)

(27) **संत रैदास भगवान को किन-किन नामों से संबोधित करते हैं ?**

उत्तर : संत रैदास भगवान को विभिन्न नामों से संबोधित करते है । वे भगवान को चंदन के नाम से संबोधित करते हैं, जिसके साथ रहकर पानी भी सुगंधित हो जाता है । वे ईश्वर को बादल कहते है, जिसे देखकर मोर मस्ती में आकर नाचने लगता है । वे भगवान को चन्द्रमा कहते है, जिसे देखकर चातक पक्षी अधाता नहीं है । वे ईश्वर को दीपक की उपमा देते हैं । वे भगवान को मोती, सोना तथा स्वामी भी कहते है । इस प्रकार निष्ठावान भक्त रैदास समर्पित भाव से भगवान को विभिन्न नामों से संबोधित करते हैं ।

- **निम्नलिखित कथन का आशय स्पष्ट कीजिए: [03]**

(28) **'वह वसुधैव बना कुटुंबकम् ।'**

उत्तर : आज चारों और युद्ध का माहोल है, पर हमारा देश भारत मानवजाति को युद्ध से छुटकारा दिलाने के लिए मंत्रोच्चार (सुझाव) के द्वारा विश्व में शांति का प्रचार करने में लगा है । वह पृथ्वी पर रहनेवाले सभी लोगों को परिवार की तरह मिल-झुलकर रहने की सीख दे रहा है । । अपनी जीविका के लिए वही उद्यम करो, जिसमें

(अथवा)

(28) **'कहते हैं सब शास्त्र, कमाओ रोटी जान बचाकर, पर संकट में प्राण बचाओ, सारी शक्ति लगाकर!'**

उत्तर **:** शास्त्रों में कहा गया है कि जान महत्त्वपूर्ण है । अपनी जीविका के लिए वही उद्यम करो, जिसमें जान पर कोई आँच न आए । पर जब जान पर संकट आ जाए, तो प्राणरक्षा के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा दो । ऐसे अवसर पर शरीर में विशेष शक्ति आ जाती है । जान है तो जहान है ।

विभाग -C : व्याकरण

- **निम्नलिखित कहावत का अर्थ स्पष्ट कीजिए : [01]**

(29) आटे के साथ धुन भी पिसता है ।

उत्तर **: दोषी आदमी के साथ रहेनावाले निर्दोष आदमी को भी परेशानी उठानी पड़ती है ।**

- **निम्नलिखित शब्दसमूह के लिए एक शब्द लिखिए : [01]**

(30) विवेचनात्मक ज्ञान विषयक ग्रंथ **: विवेचनग्रंथ**

- **निम्नलिखित संधि को छोडिए : [01]**

(31) सुरेश **: सुर+ईश**

- **निम्नलिखित संधि को जोडिए : [01]**

(32) अन + आयास **: अनायास**

- **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : [02]**

(33) भवसागर तरना : जीवन-मरण के फेरे से मुक्त होना।

वाक्यः **यदि भवसागर तरना हो तो माता-पिता की सेवा करो।**

- **निम्नलिखित शब्दों का विलोम शब्द लिखिए : [02]**

(34) भेदभाव : **समानता**

(35) सुविधा : **दुविधा**

- **निम्नलिखित शब्दों का पर्यायवाची शब्द लिखिए : [02]**

(36) बधाई : **अभिनंदन**

(37) जटिल : **कठिन**

- **निम्नलिखित शब्दों की भाववाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(38) प्रसिद्ध : **प्रसिद्धि**

(39) विद्वान : **विद्वता**

- **निम्नलिखित शब्दों की कर्तृवाचक संज्ञा लिखिए : [02]**

(40) नगर : **नागरिक**

(41) तर्क : **तार्किक**

- **निम्नलिखित शब्दों की विशेषण संज्ञा लिखिए: [02]**

(42) झगड़ा : **झगडालू**

(43) सेवा : **सेवक**

- **निम्नलिखित समास को पहचानिए : [02]**

(44) गोमुखी : **कर्मधारय समास**

(45) निष्काम : **द्विगु समास**

विभाग -D : लेखन

- **निम्नलिखित विषय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : [03]**

(46) **समाचारपत्र :**

उत्तर : समाचारपत्र जनसंचार का मुद्रित माध्यम है। आज समाचारपत्र लोगो के जीवन का अभिन्न अंग हो गया है। आज समाचारपत्र शिक्षा, खेल, मनोरंजन, साहित्य एवं विज्ञापन के लिए बहुत उपयोगी है। समाचारपत्रों का ब्रिटिश शासन में बड़ा महत्त्व था। आजादीकी लडाई में इनका बहुत योगदान था। लोगों को आजादी के लिए तैयार करने के लिए इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। बंगाल गजट, हिन्दुस्तान टाईम्स, नेशनल हेराल्ड, पायोनियर, मुंबई मिरर, केसरी, वंदे मातरम्, प्रताप, हरिजन यंग इन्डिया, अल हिलाल आदि उस समय के प्रसिद्ध समाचारपत्र थे। हिन्दुस्तान की सही तस्वीर उन दिनों कैसी थी,इसका पता इन समाचारपत्रों से मिलता है।

आज भी इलेक्ट्रोनिक मिडिया से भी ज्यादा विश्वसनीय समाचारपत्र ही रहा है। समाचारपत्र सचमुच लोक-जागृति और लोकशिक्षण का एक सशक्त माध्यम है।

(अथवा)

(46) **S.T.D., I.S.D., P.C.O.**

उत्तर : S.T.D. का पूरा नाम Subscribe Trunk Dialing है। S.T.D. में पहले कोड़ नंबर मिलाकर इसके बाद उपभोक्ता का नंबर लगाकर बात की जाती है। हर शहर, राज्य का अलग कोड होता है। इसकी व्यवस्था टेलिकोम विभाग से की गई है।

I.S.D. का पूरा नाम International Subscribe Dialing है। इससे कोड मिलाकर किसी भी देश के निवासी उपभोक्ता से बात की जा सकती है। अब मोबाईल युग में इसका प्रचलन कम हो गया है।

P.C.O. का पूरा नाम Public Call Office है । इससे निश्चित विस्तार में टेलिफोन द्वारा उपभोक्ता का नंबर डायल करके बात की जा सकती है ।

इन्टरनेट के इस युग में S.T.D., I.S.D., P.C.O. का महत्त्व नहीं रहा । आज लोग विडियो कोलिंग करके प्रत्यक्ष हो जाते है ।

- **निम्नलिखित परिच्छेद को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । [06]**

पवनपुत्र हनुमान, भीष्म पितामह, स्वामी दयानंद, स्वामी विवेकानंद जैसे बाल-ब्रह्मचारियों ने भारतभूमि को पावन किया है । संसार के प्राचीन ग्रंथ-वेदों में लिखा है : "ब्रह्मचारी मृत्यु को जीत लेते हैं ।" 'ब्रह्म' शब्द के अर्थ है, 'परमेश्वर', 'विद्या' और 'शरीर रक्षण ।' ब्रह्मचर्य के पालन से शरीर स्वस्थ होता है । जिसका शरीर स्वस्थ, उसका मन स्वस्थ, जिसका मन स्वस्थ उसकी स्मरण-शक्ति तेज होती है । स्मरण-शक्ति से आकलन शक्ति बढ़ती है । विद्यार्थी जीवन में आकलन शक्ति का अपना विशेष महत्त्व है । ब्रह्मचर्य विद्यार्थी-जीवन की कमियाँ पूरी करता है । प्राचीन भारतीय साहित्य में ब्रह्मचर्य की महिमा लिखी है । इसका पालन करनेवाला विद्यार्थी निरोगी, बुद्धिमान, संपत्तिवान और महान बनता है । ब्रह्मचर्य की महिमा अपार है ।

प्रश्न :

(47) **कौन-कौन ब्रह्मचारी थे ?**

उत्तर : हनुमानजी, भीष्म पितामह, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंदजी ब्रह्मचारी थे ।

(48) **मृत्यु को कौन जीत सकता हैं ?**

उत्तर : ब्रह्मचारी मृत्यु को जीत सकते हैं । ऐसा वेदों में लिखा है ।

(49) **'ब्रह्म' शब्द के कितने और कौन-कौन से अर्थ है?**

उत्तर : 'ब्रह्म' शब्द के तीन अर्थ है : परमेश्वर, विद्या और शरीर-रक्षण ।

(50) **................ विद्यार्थी जीवन की कमियाँ पूरी करता है । (वाचन, ब्रह्मचर्य)**

उत्तर : **वाचन** विद्यार्थी जीवन की कमियाँ पूरी करता है ।

(51) **भारत भूमि को किसने पावन किया है ?**

उत्तर : पवनपुत्र हनुमानजी, भीष्म पितामह, स्वामी दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंदजी जैसे बाल-ब्रह्मचारियों ने भारत भूमि को पावन किया है ।

(52) **इस परिच्छेद को उचित शीर्षक दीजिए ?**

उत्तर : इस परिच्छेद के लिए उचित शीर्षक 'ब्रह्मचर्य की महिमा' ।

- **निम्नानुसार पत्र लिखिए । [05]**

(53) **सिटी पोइन्ट, सुरत-395 003 से सागर कालाणी, आणंद-निवासी अपने मित्र समीर को उसके छोटे भाई भोलु के अवसान पर आश्वासन देते हुए पत्र लिखता है**

सिटी पोइन्ट
सुरत-395 003
28 नवम्बर 2021

प्रिय मित्र समीर,
सप्रेम नमस्ते ।

मुझे कल रात ही पता चला कि तुम्हारे भाई भोलु का अचानक अवसान हो गया है । सुनकर दिल को गहरी चोट लगी । मेरे माता-पिता भी यह दुखद समाचार सुनकर बहुत दुःखी हुए ।

भोलु का प्यारा शरारती चेहरा भुलाए नहीं भूलता । पिछली बार मैं तुम्हारे घर आया था, तब उसने मुझसे बड़ी देर तक खुब बातें की थी । उसकी स्मरण-शक्ति देखकर मैं दंग रह गया था । परंतु मित्र काल तो अपने हिसाब से काम करता है, उस पर

हमारा कोई वश नहीं है । जो जितने दिन तक के लिए आया है, वह उतने दिन ही यहाँ रहेगा । प्यारा भोलु की असमय मृत्यु को भी हमें इसी रुप में लेना होगा और इस वज्रपात को बरदास्त करना पड़ेगा ।

ईश्वर से प्रार्थना है कि वह तुम सबको यह दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

तुम्हारा मित्र

सागर

- **रुपरेखा के आधार पर कहानी लिखकर शीर्षक एवं बोध लिखिए । [05]**

(54) **दो मित्र --- समुद्र में तुफ़ान --- नौका टूटना --- दोनों का एक ही तख्ते का सहारा लेना --- तख्ता केवल एक का भार सँभालने में समर्थ - 'मेरी माँ को संभालना' इस सूचना के साथ अविवाहित मित्र का तख्ते को छोड़ देना --- दूसरे मित्र का बचना - सीख ।**

सच्ची मित्रता ।

राम और श्याम दोनों अच्छे मित्र थे । दोनों मछुआरे थे और समुद्रतट के एक गाँव में रहते थे । राम की शादी हो चुकी थी और वह एक बच्चे का पिता भी था । श्याम अभी तक अविवाहित था । उसके परिवार में केवल एक बूढ़ी माँ थी ।

एक दिन दोनों मित्र एक ही नाव में बैठकर समुद्र में मछलियाँ पकड़ने के लिए निकले । वे समुद्र में दूर तक पहूँच गए । उसी समय अचानक आकाश का रंग बदलने लगा । तूफ़ानी हवा चल पड़ी और सागर में ऊँची लहेरें उछलने लगी । दोनों मित्र जिस नाव में बैठे थे, वह जीर्ण-शीर्ण थी । तूफ़ानी लहरों के जपेड़ो से वह टूट गई । इसका एक तख्ता अलग हो गया ।

दोनों मित्र उस तख्ते पर बैठकर किनारे पहुँचने की कोशिश करने लगे, पर वह तख्ता मुश्किल से एक ही आदमी का भार सँभाल सकता था । दोनों को लगा कि यदि वे इस तरह तख्ते पर रहेंगे तो दोनों ही डूब जाएँगे ।

इस स्थिति में श्याम ने कहा, 'राम, तुम इस तख्ते पर ही रहो । मैं इसे छोड़ देता हूँ । तुम पर पत्नी और बच्चे की जिम्मेदारी है । मेरी तो बस एक बूढ़ी माँ ही है । तुम मेरी माँ की देखभाल करते रहना ।'

किन्तु तब तक तो श्याम ने तख्ता छोड़ दिया । देखते ही देखते वह तूफ़ानी लहरों मे समा गया । राम जैसे तैसे किनारे पहूँच गया ।

श्याम के बलिदान पर सारे गाँव में शोक मनाया गया । सबकी जबान पर एक ही बात थी, 'मित्र हो तो श्याम जैसा हो ।'

सीख : सच्ची मित्रता नि:स्वार्थ और त्यागपूर्ण होती है ।

- **किसी एक विषय पर करीब 150 शब्द में निबंध लिखिए । [07]**

(55) **यिदि मैं शिक्षामंत्री होता :**

प्रस्तावना --- शिक्षामंत्री बनना एक सौभाग्य --- सस्ती और उपयोगी शिक्षा --- उचित माध्यम --- पाठ्यपुस्तक एवं शिक्षा-प्रणालि में सुधार --- अन्य सुधार --- उपसंहार ।

निबंध : '''शिक्षक कभी सामान्य नहीं होता, प्रलय और निर्माण उसकी गोद में पलते है ।''

आचार्य चाणक्य के यह विचार की प्रस्तुत आज भी बनी हुई है । जीवन में शिक्षा का बहुत महत्त्व है । अच्छी शिक्षण प्रणाली पर ही समान सेवा का यह अवसर पाकर स्वयं को परम भाग्यशाली मानता ।

यदि मैं शिक्षामंत्री होता तो आज की शिक्षा को अधिक से अधिक उपयोगी और सार्थक बनाने का प्रयत्न करता । आज की खर्चीली शिक्षा पाकर और बड़ी-बड़ी डिग्रियाँ लेने के बावजूद भी बेरोजगारी के

शिकार युवकों को देखकर मुझे बड़ा दु:ख होता है। शिक्षामंत्री बनने पर मेरा प्रयत्न ऐसी शिक्षा-प्रणाली विकसित करने पर होता जिसमें आजीविका प्राप्ति के लिए युवकों को मारा मारा न फिरना पड़े। इसलिए मैं शिक्षण में टेक्निकल और औद्योगिक शिक्षा को प्रधानता देता।

मैं शिक्षा के माध्यम को मातृभाषा को उपयुक्त मानता। मेरा प्रयत्न रहता कि उच्च शिक्षा भी मातृभाषा के माध्यम से ही जाए। परंतु आज अंग्रेजी भाषा के महत्त्व को ध्यान में रखते हुए उच्च शिक्षा के लिए उचित स्थान देता।

मैं ऐसी पाठ्यपुस्तकें तैयार करवाता जिनकी भाषा सरल और रोचक हो और उनकी रचना राष्ट्रीय भावनाओं तथा भारतीय संस्कृति के आदर्शों के अनुसार हो।

शिक्षामंत्री बनने पर मैं 'डोनेशन' और 'डिपोजिट' जैसी प्रथाओं को हटा देता। मैं महाविद्यालयों में फैशन परस्ती की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाने का प्रयत्न करता।

काश ! मैं शिक्षामंत्री होता तो स्वनिर्भर शिक्षण संस्थाओं को बंद करवाता। शिक्षा के नाम पर जो दुकानें चल रही है और जिस तरीके से अभिभाव को भूसा जा रहा है, वह राष्ट्रद्रोह है। मैं गांधी विचार प्रेरित बुनियादी विद्यालयों को प्रोत्साहित कर श्रम के प्रति सूग दूर करने का प्रयत्न करता।

शिक्षा का दान होता है, उसे बेची नहीं जानी चाहिए।

(अथवा)

(55) **मोबाईल फोन वरदान या अभिशाप :**

प्रस्तावना --- आधुनिक जीवन में मोबाइल का स्थान ---ज्ञान, मनोरंजन, खेल, संपर्क का श्रेष्ठ माध्यम --- सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक रुप से लाभदायी --- व्यापारियों के लिए वरदान --- सदुपयोग हो तो अलाद्दीन का चिराग --- मोबाइल फोन के कई दुरुपयोग --- उपसंहार।

उत्तर : आज का युग मोबाइल फोन का युग है। मोबाइल फोन से इन्सान ने मानो दुनिया को अपनी मुठ्ठी में कर लिया है। अमीर हो या गरीब सबके पास अपनी अपनी हेसियत के हिसाब से मोबाईल होते हैं। आज के युग में सबसे उपयोगी है मोबाइल फोन। मोबाइल फोन छोटा-सा चमत्कारिक यंत्र है, जिसे आसानी से जेब में रखा जा सकता है।

प्रत्येक सिक्के के दो पहलू होते हैं, वैसे ही मोबाइल फोन के भी दो पहलू है,वह वरदान है तो साथ में अभिशाप भी। यह जिंदगी बनाता है तो बिगाड़ता भी है। हमारी विवेक बुद्धि के अनुसार उसका उपयोग करना सही होगा।

मोबाइल फॉन आज के युग में अलाउद्दीन का चिराग है। मोबाइल फोन के अनगिनत लाभ है। मोबाइल फॉन संदेश-व्यवहार का सर्वश्रेष्ठ साधन है। वह अत्यंत तेजी से संदेश पहूँचाता है। ध्वनि संदेश हो या लिखित संदेश। अब तो मोबाइल फॉन के जरिए विडियो-कोल, कोन्फरन्स भी की जा सकती है। कोरोना महामारी के समय तो लाखों लोगों ने मोबाइल फॉन से अपना कामकाज किया। मोबाइल ने लाखो नोकरियाँ रचाई।

मोबाइल की मेंमरी के कारण वह एक साथ हजारों फॉन नंबर सुरक्षित रख सकता है। मोबाइल आने के कारण 'पेपरलेस' कार्य होता जा रहा है, जिससे पर्यावरण की सुरक्षा बनी रहती है।

मनोरंजन के क्षेत्र में, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में मोबाइल ने क्रांति कर दी है। जो व्यक्ति जब मन चाहे तब अपना मनपसंद मनोरंजन कार्यक्रम देख सकता है, विद्यार्थी अपने अभ्यास संबंधी ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। गृहिणियाँ अपनी मनपसंद रसोई सीख सकती हैं या दूसरों को सिखा सकती है। विभिन्न

सिखा-सिखाया जा सकता है। अपने मनपसंद क्षेत्र में आगे बढ़ा जा सकता है। अपने व्यापार को दिन दूना रात चौगुना बढ़ाया जा सकता है। करोड़ो लोगों तक अपने व्यापार का इश्तहार पहुँचाया जा सकता है। प्रेमियों के लिए मोबाइल फॉन काल्पनिक स्वर्ग है।

यदि किसी की तबियत अचानक खराब होती है तो एमरजेंसी में एम्ब्यूलन्स, डॉक्टर, पुलिस को बुलाया जा सकता है। मोबाइल के कैमेरे से फोटो लेकर सुरक्षित सबूत बनाया जा सकता है। बैंकिंग क्षेत्र के लिए मोबाइल फोन वरदान है। कैशलैस इकोनोमी बनायी जा सकती है। बैठे-बैठे किसी को भी पैसों का भुगतान किया जा सकता है या पैसे अपने अकाउन्ट में मँगवाया जा सकता है। यदि आप अनजानी जगह पर रास्ता भूल गए हैं तो जी.पी.एस. सिस्टम से आपको रास्ता दिखा देती है। ऐसे तो अनेको लाभ आप मोबाइल फोन से पा सकते है। इसलिए मोबाइल फोन वरदान कहलाता है।

मोबाइल फोन अभिशाप भी है। इससे निकलनेवाली रेडिएशन से स्वास्थ्य खराब हो सकता है। शारीरिक-मानसिक हानि पहूँच सकती है। वाहन-चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग करने से दुर्घटनाएँ होती है, तब यह जानलेवा बन सकता है। किसी महत्त्वपूर्ण मिटिंग या कार्य में बैठे हो तब आपका मोबाइल फोन कॉल आपका ध्यान भटका सकता है। मोबाइल के कारण विद्यार्थी पढ़ाई में कम ध्यान देता है। मोबाइल पर विविध एप के कारण गैम, के कारण अधिकतर विद्यार्थी अपना भविष्य बिगाड़ रहे हैं। अश्लील-फिल्में देखकर बच्चो पर अत्याचार, दुष्कर्म जैसे दूषणों को बढ़ावा दिया है। मोबाइल फोन के माध्यम से अफवाहें बड़ी तेजी से फैलती है, जिस में लड़ाई, दंडे होने की संभावनाएँ बढ़ जाती है। सोश्यल मिडिय में इन्सान समाज में अकेला हो जाता है। मानसिक संतुलन बिगड़ता है। मोबाइल से आँखे खराब होती है।

'सार सार को राहि रहे थोथा दिए उड़ाय' कहावत के अनुसार यदि हम मोबाइल फोन का विवेकानुसार उपयोग करेंगे तो यह वरदान साबित हो सकता है और इस अलाद्दीन के चिराग से आप दुनिया मुठ्ठी में कर सकते हैं।

(अथवा)

(55) **स्त्री सशक्तिकरण :**

प्रस्तावना --- प्राचीन भारत में स्त्रियों का स्थान --- हमारी सांस्कृतिक परंपरा --- पुराने जमाने के कुरिवाज --- आज समाज में स्त्रियों की स्थिति --- स्त्रियों के विशेष गुण --- हमारा कर्तव्य --- उपसंहार।

''नारी तुम केवल श्रद्धा हो,
जग के सुंदर आँगन में।
पीयूष स्त्रोत तो बहा करो
जीवन के सुंदर समतल में॥''

– जयशंकर प्रसाद

किसी भी देश की सभ्यता, संस्कृति एवं उन्नति का मूल्यांकन वहाँ के नारी वर्ग की स्थिति को देखकर आसानी से लगाया जा सकता है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है, 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता**:**।'

प्राचीन युग में स्त्रियाँ पुरुषों के साथ प्रत्येक सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में समान रुप से भाग लेने की अधिकारिणी थी। प्राचीन युग में नारी का बड़ा सम्मान था। द्वापर युग आने पर अविश्वास उत्पन्न हुआ। अनेक बँधनों में नारी बँध गई। मध्यकाल में नारी को गुलाम और भोग्या बनाकर पतन की दिशा की ओर मोड दिया गया।

भारतीय नारी दया, करुणा, ममता और प्रेम की पवित्र मूर्ति है। और समय पड़ने पर प्रचंड चंडी भी

बन सकती है। स्वतंत्रता संग्राम का श्री गणेश नारी के ही हाथों हुआ था।

मध्यकाल में नारी को केवल दासी एवं वासनापूर्ति का साधन मात्र बन गई थी। सामाजिक स्थिति ऐसी बनी हुई थी कि स्त्रीशिक्षा तो दूर की बात पर स्त्री को घर से बाहर निकलना भी मना था।

आधुनिक काल में नारी ने हर क्षेत्र में विकास किया है। हमारे संविधान में भी नर-नारी को समान अधिकार दिए गए हैं। 21वी सदी में जन्मजात सहनशीलता, धैर्य, कर्मठता जैसे गुण होते हैं।

स्त्री सशक्तिकरण के लिए जन्म से ही नारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। शिक्षा, संस्कार, पोषण के प्रति खास ध्यान देना चाहिए। अपने अधिकारों के प्रति स्त्रियों को जागृत करना चाहिए। बालविवाह, दहेज प्रथा, लैंगिक भेदभाव को मिटाना चाहिए।

स्त्री आज अबला नहीं, सबला बनी है। उसके प्रति पुरुष समाज का दृष्टिकोण भी बदलना चाहिए।